उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 31 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 31 अगस्त-2026

अंदर के पृष्ठ पर

111 मोबाइल लौटाकर पुलिस ने लौटाईं अपनों से जुड़ने की खुशियाँ 3

आंगन धंसने में समा गई युवती 25 फीट नीचे मिली लाश 5

मध्य प्रदेश में बारिश से बाढ़ जैसे हालात

चित्रकूट में गोरगी बांध टूटा, सांसद ने रेस्क्यू के लिए मांगा हेलिकॉप्टर

» बीपीएस न्यूज

भोपाल। मध्य प्रदेश के सतना और चित्रकूट समेत विंध्य व बुंदेलखंड अंचल में 14 घंटे से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। शनिवार को चित्रकूट में गोरगी बांध टूटने से स्थिति अति-गंभीर हो गई है। मंदाकिनी नदी में आई 30 फीट ऊंची बाढ़ में रामघाट का 300 मीटर लंबा पुल बह गया है। कई इलाकों में पानी भर गया है। स्थिति को देखते हुए स्थानीय सांसद ने मुख्यमंत्री से रेस्क्यू के लिए तत्काल हेलिकॉप्टर और एनडीआरएफ टीम तैनात करने की मांग की है।

दरअसल, विंध्य और बुंदेलखंड अंचल में अतिवृष्टि से हालात बिगड़ गए हैं। सबसे भयानक स्थिति धार्मिक नगरी चित्रकूट की है, जहां पिछले 14 घंटे से हो रही बारिश और गोरगी बांध टूटने से मंदाकिनी नदी उफान पर है। बाढ़ का पानी नयागांव राजमहल, भरतघाट, रामघाट और त्रिपाठी लॉज तक पहुंच चुका है। रामघाट और भरतघाट पूरी तरह डूब चुके हैं तथा घाट किनारे स्थित करीब 400 दुकानें जलमग्न हो गई हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि कई मोहल्लों की सड़कों पर नाव चलानी पड़ रही है और 10 से 15 ट्रांसफॉर्मर बंद होने से बिजली आपूर्ति ठप हो गई है।

नयागांव को हनुमानधारा से जोड़ने वाला और पर्यटन बंगले के सामने बना करीब 25 फीट ऊंचा तथा 300 मीटर लंबा पक्का पुल पानी के प्रचंड बहाव में ताश के पत्तों की तरह बह गया। भरत घाट स्थित प्रसिद्ध गंगा आरती स्थल जलमग्न होकर बह चुका है और सती अनुसुइया क्षेत्र में पानी रेलिंग के ऊपर से बह रहा है। खोडरी में गोरगी बांध के अचानक फूटने से बरहा, बड़खेड़ा, नयागांव और बाल्हा रइया गांवों में भीषण बाढ़ आ गई है। नयागांव राजमहल और त्रिपाठी लॉज के आसपास कई फीट पानी भर जाने से लोग घरों और होटलों की ऊपरी मंजिलों पर शरण लेने को मजबूर हैं।

बाढ़ का भयानक असर सड़क के साथ-साथ रेल नेटवर्क पर भी देखने को मिल रहा है। सतना के मझगवां के पास रेलवे ट्रैक पूरी तरह जलमग्न हो जाने से आनंद विहार से रीवा जाने वाली पैसेंजर ट्रेन कई घंटों से बीच रास्ते में फंसी रही। सतना-चित्रकूट मुख्य मार्ग तीन प्रमुख स्थानों पर कट जाने से संपर्क पूरी तरह टूट चुका है। नागौद में थाने और पेट्रोल पंप के अंदर कमर तक पानी भर जाने से परिसर तालाब में तब्दील हो गया है, वहीं सतना शहर में कलेक्ट्रेट जाने वाला मुख्य मार्ग जलभराव के कारण पूरी तरह बंद है। कोठी क्षेत्र में एक कच्चा मकान धराशायी होने से मलबे में दबकर दो मवेशियों की मौत हो गई।

पन्ना और छतरपुर जिलों में भी बारिश ने भारी तबाही मचाई है। पन्ना के धरमपुर नाले के उफान पर आने से पन्ना-पहाड़ीखेड़ा मार्ग बंद हो गया है, जबकि पहाड़ीखेड़ा का उमरी गांव चारों तरफ से पानी से घिरकर टापू में बदल गया है। प्रसिद्ध पर्यटक स्थल बृहस्पति कुंड का रास्ता भी सुरक्षा के लिहाज से बंद कर दिया गया है। दूसरी ओर, छतरपुर और टीकमगढ़ की सीमा पर स्थित बानसुजारा बांध के जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए 8 गेट खोल दिए गए हैं, जिनसे 792 घन मीटर प्रति सेकंड की दर से पानी धसान नदी में छोड़ा जा रहा है, जिससे तटीय इलाकों में नदी का जलस्तर 9 फीट तक बढ़ गया है।

सतना सांसद गणेश सिंह ने क्षेत्र के हालात को बेहद खतरनाक बताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से तत्काल लोगों को एयर-लिफ्ट करने के लिए हेलिकॉप्टर और एनडीआरएफ की टीमें भेजने की मांग की है।

प्रशासनिक स्तर पर राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं।

सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के अनुसार चित्रकूट, पिंडरा और सतना में एसडीआरएफ की टीमें पहले से मुस्तैद हैं, जबकि रीवा से अतिरिक्त टीमें बुलाई गई हैं। इसके साथ ही जबलपुर से एनडीआरएफ की 3 विशेष टीमों को सतना के लिए रवाना किया गया है।

मझगवां और चित्रकूट के प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को नावों के जरिए निकाला जा रहा है। प्रशासन ने आम नागरिकों को जलभराव वाले क्षेत्रों, नदियों और खतरे के निशान से ऊपर बह रहे पुल-पुलियों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है।

नेपाल बाढ़-तबाही के बाद सुरंगों में फंसे 900 मजदूर

त्रिशूली-3ए सुरंग में बना छोटा रास्ता, हवा-खाना भेजा गया

» बीपीएस न्यूज

काठमांडू । नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान जारी है। नेपाल में अलग-अलग जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे 900 से ज्यादा कर्मचारियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। बचाव दल ने एक सुरंग के अंदर हवा और खाना पहुंचाया है, लेकिन अभी तक अंदर मौजूद लोगों से संपर्क नहीं हो पाया है।नेपाल में बुधवार को आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। सबसे बड़ी चुनौती ऊपरी त्रिशूली-3ए जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे कर्मचारियों और इंजीनियरों को बाहर निकालने की है। बचाव दल सुरंग तक पहुंचने के लिए ड्रिलिंग, खुदाई और नियंत्रित विस्फोट कर रहे हैं। नेपाली सेना के मुताबिक, रविवार को बचाव दल सुरंग के मुख्य हिस्से तक पहुंचने में कामयाब रहा। करीब 90 सदस्यों की संयुक्त टीम इस अभियान में जुटी है। इसमें 66 नेपाली सेना के जवान, प्रशिक्षित कुत्तों के साथ विशेषज्ञ खोज एवं बचाव दल, 18 सशस्त्र पुलिस बल के जवान और छह नेपाल पुलिसकर्मी शामिल हैं।

रविवार दोपहर करीब दो बजे बचाव दल सुरंग के ऊपरी हिस्से यानी क्राउन हेड तक पहुंचा। वहां करीब 2म3 फीट का रास्ता बनाया गया। इसके बाद बचावकर्मी रस्सियों के सहारे सुरंग के अंदर उतरे और अंदर मौजूद लोगों को आवाज लगाई। हालांकि, अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद बचाव दल ने सुरंग का रास्ता और चौड़ा करने का काम तेज कर दिया। भारी मशीनों और नियंत्रित विस्फोटों की मदद से अंदर तक पहुंच बनाने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियों को उम्मीद है कि सुरंग में प्रवेश का रास्ता पूरी तरह खुलने के बाद अंदर फंसे लोगों की तलाश और उन्हें बाहर निकालने का अभियान तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

बचाव दल ने सुरंग के अंदर हवा और ऑक्सीजन पहुंचाना शुरू कर दिया है। एक ऊर्ध्वाधर रास्ते से पहले ही ऑक्सीजन अंदर भेजी जा चुकी है।

धौलपुरः कुंड में डूब रहे भाई को बचाने कूदीं तीन बहनें, चारों की मौत

» बीपीएस न्यूज

धौलपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले के सरमथुरा उपखंड क्षेत्र में रविवार तड़के दर्दनाक हादसा हो गया। आंगई थाना क्षेत्र के बिरजा इलाके में एक कुंड में डूब रहे भाई को बचाने के प्रयास में उसकी तीन बहनें भी गहरे पानी में चली गईं। हादसे में चारों भाई-बहनों की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, धौलपुर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के नथुआपुरा मोरोली निवासी रवि उर्फ भोलू शनिवार रात अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आंगई थाना क्षेत्र के बिरजा गांव के पास स्थित हीरामन बाबा धाम पर आयोजित मेले में शामिल होने आया था।रविवार सुबह करीब छह बजे रवि परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पास के कुंड में नहाने गया। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। भाई को डूबता देख उसकी दो सगी बहनें मनोरमा और बोटो, जबकि चचेरी बहन कल्लो उसे बचाने के लिए कुंड में उतर गईं। हालांकि, भाई को बचाने के प्रयास में तीनों बहनें भी गहरे पानी में चली गईं और डूब गईं। हादसे की सूचना मिलने पर आंगई थाना पुलिस मौके पर पहुंची। परिवार के अन्य सदस्यों और ग्रामीणों की मदद से चारों को कुंड से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

आंगई थाना प्रभारी कृपाल सिंह ने बताया कि मृतकों में रवि (21) पुत्र लायक सिंह, उसकी सगी बहन मनोरमा (22) और बोटो (25), दोनों पुत्रियां लायक सिंह, तथा चचेरी बहन कल्लो (18) पुत्री भभूति शामिल हैं।

सभी नथुआपुरा मोरोली, थाना कोतवाली, जिला धौलपुर के निवासी थे।

पुलिस और परिजनों के अनुसार, रवि की बहनें मनोरमा और बोटो रक्षाबंधन मनाने के लिए अपने ससुराल से पीहर आई थीं। इसके बाद दोनों बहनें परिवार के अन्य सदस्यों के साथ हीरामन बाबा धाम पर जात करने गई थीं। रविवार तड़के कुंड में नहाने के दौरान यह दर्दनाक हादसा हो गया। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर सरमथुरा के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

वसीयत, जायदाद और परिवार का विवाद... अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह ने सात रिश्तेदारों के खिलाफ कराई एफआईआर

» बीपीएस न्यूज

अलीगढ़ । बॉलीवुड अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह ने अपने दादा की वसीयत फर्जी तरीके से तैयार करने का आरोप लगाते हुए चाची गायत्री देवी, दो चचेरे भाइयों सहित सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

सिंह ने रोरावर थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसमें आरोप लगाया है कि अलीगढ़ के बाहरी इलाके जलालपुर के बड़े जमींदार रहे उनके दादा ठाकुर हरेंद्र पाल सिंह के हस्ताक्षर 1997 में फर्जी तरीके से किए गए थे, जबकि उस समय वह गंभीर रूप से बीमार थे और दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने की स्थिति में नहीं थे।सिंह ने आरोप लगाया कि वसीयत तैयार किए जाने के समय उनके पिता अलीगढ़ में मौजूद नहीं थे। उनके एक अन्य चाचा का निधन हरेंद्र पाल सिंह से पहले ही हो चुका था। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि विवादित वसीयत के आधार पर हासिल की गई कई बेशकीमती संपत्तियां बाद में बेच दी गईं।चंद्रचूड़ सिंह ने शनिवार शाम पत्रकारों से कहा कि उनके पास इन आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद उन्होंने पुलिस के समक्ष अपना बयान भी दर्ज कराया है।यह विवाद पिछले वर्ष सामने आया था जब उनकी चाची गायत्री देवी ने आरोपों को झूठा बताते हुए कहा था कि वसीयत असली है और चंद्रचूड़ उन्हें झूठे मामले में फंसा रहे हैं। चंद्रचूड़ सिंह के पिता कैप्टन बलदेव सिंह अलीगढ़ शहर से कांग्रेस के विधायक रह चुके थे। कुछ वर्ष पहले उनका निधन हो गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मातम में बदला उत्सवः साइप्रस से तुर्किये जा रही नाव डूबी, 270 यात्री थे सवार, छह की मौत

» बीपीएस न्यूज

निकोसिया। उत्तरी साइप्रस के कायरानिया बंदरगाह से तुर्किये के ताशुकू के लिए रवाना हुई एक यात्री नाव समंदर में उतरते ही हादसे का शिकार हो गई। कायरानिया तट से महज दो किलोमीटर दूर उत्तर की ओर जाते ही नाव अचानक पानी में पलट गई, जिसके बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना के वक्त नाव में 270 लोग सवार थे, जिनमें छह लोगों की मौत हो गई है। वहीं 172 लोगों को बचा लिया गया है। कई अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। हादसे की खबर मिलते ही तुर्किये साइप्रस के तटरक्षक बल (कोस्टगार्ड) की नौकाएं तुरंत राहत और बचाव कार्य के लिए घटनास्थल की तरफ दौड़ पड़ीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक रेस्क्यू हेलीकॉप्टर को भी बैकअप के लिए तैनात किया गया। इसके अलावा, पास के कायरानिया बंदरगाह पर मौजूद अन्य निजी और व्यापारिक नावें भी लोगों की जान बचाने के लिए समंदर में उतर गईं।घटना के बाद उत्तरी साइप्रस के परिवहन मंत्री एरहान अरिकली ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि कायरानिया तट से कुछ दूर जाते ही नाव में अचानक पानी भरना शुरू हो गया था, जिसके बाद यह असंतुलित होकर पलट गई। उन्होंने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की कि इस नाव में 262 यात्री और आठ चालक दल के सदस्य सवार थे, यानी कुल 270 जिंदगी दांव पर लगी थीं।राहत की बात यह रही कि बचाव दल की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। कायरानिया के मेयर मूरत सेनकुल ने दोपहर करीब 2:30 बजे जानकारी दी कि 267 में से 159 लोगों को पानी से सुरक्षित निकालकर किनारे तक पहुंचा दिया गया है। वहीं, पानी में फंसे बाकी बचे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत कार्य लगातार जारी है।

बिहारः चार युवकों की मौत जहरीली शराब से गई जान!

» बीपीएस न्यूज

पटना। पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना गांव में नशीले पदार्थ के सेवन के बाद चार युवकों की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। चारों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया था। लेकिन जान नहीं बच सकी। जहरीली शराब मौत हो गई है! पुलिस मामले की जांच में जुटी है।पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना गांव में चार युवकों के नशीले पदार्थ के सेवन से गंभीर रूप से बीमार होने के बाद पटना के एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चारों युवक गांव के पास एक साथ बैठे थे। इसी दौरान उन्होंने किसी नशीले पदार्थ का सेवन किया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई।

ग्रामीणों ने चारों को गंभीर हालत में बाढ़ के एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर उन्हें अनुमंडल अस्पताल, बाढ़ ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया था। चारों युवकों के मुंह से झाग निकल रहा था। लेकिन उपचार शुरू होने के कुछ ही देर बाद चारों की मौत की खबर आ गई।

ग्रामीण सूत्रों के अनुसार, चारों युवक एक साथ बैठकर शराब का सेवन कर रहे थे। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। चारों युवकों की पहचान बेढ़ना गांव निवासी शशि कुमार (32), पिता रामाकांत कुमार, विकास राम (40), पिता बिरजू राम, पंकज सिंह (45), पिता नंदे सिंह और निशु कुमार (30), पिता राजू सिंह के रूप में हुई है।

धर्म अलग हो सकते हैं लेकिन इंसानियत एक है: मोहन भागवत

» बीपीएस न्यूज

न्यूयॉर्क । एक वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने धार्मिक एकता और मानवता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व की मूल भावना में सभी समाहित हैं और संघ ने मुस्लिम व ईसाई समुदायों के साथ संवाद शुरू किया है। भागवत ने समाज में निस्वार्थ सेवा और एकजुटता के जरिए बदलाव लाने की बात कही।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को न्यूयॉर्क में आयोजित वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी धर्मगुरुओं के सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग धर्मों के बीच एकता, शांति और आपसी सद्भाव की जरूरत पर जोर दिया।

कई धर्मगुरुओं की मौजूदगी में भागवत ने कहा कि आज धर्म को काफी हद तक उसके रीति-रिवाजों और धार्मिक प्रक्रियाओं से समझा जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक अनुशासन और ईश्वर की ओर बढ़ने के लिए ये रीति-रिवाज जरूरी हैं, लेकिन धर्म का असली उद्देश्य क्या है? धर्म हमें सत्य की ओर ले जाता है।

उन्होंने कहा कि वह ऐसे समाज में काम कर रहे हैं, जिसकी परंपरा यह मानती है कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है और मानवता उसी सत्य से बनी है।मोहन भागवत ने समाज को भारत की प्राचीन परंपराओं के बारे में शिक्षित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की परंपराएं विदेशी आक्रमणों के बावजूद बची रहीं और इन परंपराओं ने लोगों को 'एक दुनिया, एक मानवता' का विचार दिया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग रास्ते हो सकते हैं, लेकिन उनका अंतिम लक्ष्य एक ही सत्य की ओर बढ़ना है।अपने संबोधन के दौरान भागवत ने 2018 में मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ हुई बातचीत का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय उनसे ऋस्स के हिंदू राष्ट्र के लक्ष्य को लेकर सवाल पूछा गया था।

भागवत ने कहा, ÷अगर कोई हिंदू सोचता है कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदुत्व की मूल भावना के प्रति सच्चा नहीं है।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादक
(बी.पी.साहू)
मो-8423454502
व्हाटसअप-9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें
www.bpsnews.in

अपनी बात....

संपादकीय .....

नौकरियों से जोड़ने वाली शिक्षा बने प्राथमिकता

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट हमारे नीति-नियंताओं को आईना दिखाने वाली है। चौंकाने वाली ये रिपोर्ट बताती है कि देश में नब्बे फीसदी से अधिक स्नातक ऐसी नौकरियां कर रहे हैं, जिसका उनकी डिग्री से कोई संबंध नहीं होता है। जाहिरा तौर पर यह आंकड़ा हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों को ही उजागर करता है। इसके मायने हैं कि आज भी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में ऐसी शिक्षा दी जा रही है ,जो मौजूदा आर्थिकी से नहीं जोड़ती। देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है।

दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए। लेकिन विडंबना यह है कि तीन-चार साल के अध्ययन के बाद छात्रों को जो डिग्री मिलती है, वह उन्हें रोजगार के बाजार में कदमताल करने का हुनर नहीं देती। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा, कौशल विकास व अर्थव्यवस्था में तारतम्य स्थापित हो सकेगा। लेकिन हर साल लाखों बीए, एम.ए. व अन्य मानविकीय विषयों की डिग्री हासिल करने वाले बेरोजगारों की पंक्ति में शामिल हो जाते हैं। यही वजह है कि देश में स्नातक बेरोजगारों का प्रतिशत देश की सामान्य बेरोजगारी दर से कहीं अधिक है।

महिला स्नातकों की दर तो पुरुष स्नातकों से भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में उस उच्च शिक्षा का क्या औचित्य जो युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती। असल में, बदलते वक्त के अनुरूप युवाओं की शिक्षा में जो जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए थे, वे अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाये हैं।दरअसल, हर युवा में कला-कौशल का एक विशिष्ट गुण होता है।

उसका मूलभूत रुझान एक विशेष क्षेत्र में होता है। लेकिन इस गुण को न तो अभिभावक समझ पाते हैं और न ही शिक्षक। छात्र भेड़चाल में आकर शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं। लेकिन यह उनकी रुचि का विषय नहीं होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि अपनी रुचि के विषय में युवा बेहतर कार्य प्रदर्शन करते हैं। यह संभव नहीं कि हर छात्र डॉक्टर व इंजीनियर ही बने। लेकिन समाज में ऐसा करने की होड़ बनी हुई है। एक समय बैंकिंग, रेलवे आदि में भविष्य तलाशने की होड़ लगी। पिछले कुछ समय में कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग करने का फैशन चला। वैश्विक स्थितियों में बदलाव व एआई के वर्चस्व के चलते अचानक कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नौकरियों में तेजी से कटौती हुई।

लेकिन देश में हजारों शिक्षण संस्थान आज भी इस भेड़चाल में युवाओं को धकेल रहे हैं। विडंबना यह है कि हमारे नीति-नियंताओं ने दूरदर्शी दृष्टिकोण न अपनाते हुए, भविष्य की दीवार पर लिखी इबारत को नहीं पढ़ा। यही वजह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश होने के बावजूद हम इस जनसांख्यिकीय लाभ उठाने में विफल रहे हैं।

हमारे उद्योगों ने भी अपनी जरूरत के मुताबिक युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिये इस बाबत चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सहयोग नहीं किया। यही वजह है कि आज देश में कामचलाऊ इंटर्नशिप व अप्रेंटिसशिप का बोलबाला है। यदि हमारा निजी क्षेत्र इस दिशा में रचनात्मक पहल करता तो उसे बड़ी संख्या में अपनी जरूरतों के मुताबिक युवा प्रतिभाएं मिल सकती थीं।

इसे दिशा देने में देश की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाओं आईआईटी व आईआईएम की बड़ी भूमिका हो सकती थी। याद रहे कि कौशल विकास का मतलब केवल एक सार्टिफिकेट हासिल करना नहीं है।

देश को कौशल विकास से लैस युवाओं की जरूरत है। जो आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये अनिवार्य शर्त भी है। नीति-नियंताओं को इस मामले में चीन की औद्योगिक व तकनीकी क्रांति से जुड़ी नीतियों से सीखने की आवश्यकता है। जरूरत इस बात की है कि हमारे स्कूल-कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालयों तक में रोजगार से जुड़े पाठ्यक्रमों को तरजीह दी जाए।

हिमालय के स्वभाव-सीमाओं को सम्मान से ही सुरक्षा

विपिन सचदेवा

अब हिमालयी क्षेत्रों में आपदा आने के बाद केवल राहत दल भेजना पर्याप्त नहीं है। आज आवश्यकता है–पूर्वानुमान, रोकथाम, चेतावनी, सुरक्षित निकासी और वैज्ञानिक पुनर्निर्माण के एक निरंतर सुरक्षा चक्र की।हिमालय केवल बर्फ, पत्थरों और ऊंची चोटियों की पर्वत-श्रृंखला नहीं है। वह दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा, मानसूनी व्यवस्था, जैव-विविधता, कृषि और करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है। लेकिन जिस हिमालय को हम स्थिर-अडिग मानते आए हैं, वह भू-गर्भीय दृष्टि से दुनिया की सबसे युवा और सक्रिय पर्वत-श्रृंखलाओं में है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप ने उसकी स्वाभाविक संवेदनशीलता को गंभीर बना दिया है। अब हिमालयी आपदाएं केवल अतिवृष्टि, बादल फटने या भूकंप तक सीमित नहीं हैं। बर्फ, चट्टान, हिमनद झील, नदी, मलबा और मानव निर्मित ढांचे मिलकर ऐसी बहु-आपदा श्रृंखलाएं पैदा कर रहे हैं, जिनका पूर्वानुमान कठिन और विनाश कई गुना हो सकता है।

26 अगस्त, 2026 को नेपाल के रसुवा ज़िले और तिब्बत-नेपाल सीमा के निकट भोटेकोशी-त्रिशूली नदी क्षेत्र की आपदा इसका नवीनतम उदाहरण है। वैज्ञानिक आकलन के अनुसार लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हिमनद का बड़ा हिस्सा टूटकर करीब 1,200 मीटर नीचे घाटी में गिरा। बर्फ-चट्टानों के विशाल मलबे ने नदी को अस्थायी रूप से रोका। पानी जमा हुआ और अवरोध टूटते ही जल, मलबे और शिलाखंडों की प्रचंड धारा दौड़ पड़ी। आधे घंटे में नदी का जलस्तर नौ मीटर तक बढ़ गया। जलविद्युत परियोजनाएं, सड़कें, पुल व बस्तियां चपेट में आईं। सबसे चिंताजनक संदेश यह है कि विनाशकारी बाढ़ के लिए निचली घाटियों में भारी वर्षा होना आवश्यक नहीं है। हजारों मीटर ऊपर हिमनद या चट्टान टूट सकती है, नदी अवरुद्ध हो सकती है और प्राकृतिक बांध टूटने पर तुरंत नीचे विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। पिछले तीन दशकों की घटनाएं इसी खतरे का संकेत करती हैं। वर्ष 1998 में उत्तराखंड के मालपा में विशाल भूस्खलन ने पूरी बस्ती को नष्ट कर दिया। वर्ष 2000 में तिब्बती क्षेत्र से सतलुज में आई विनाशकारी बाढ़ ने हिमाचल प्रदेश में भारी तबाही मचाई। 2005 में पारिचू नदी पर बने प्राकृतिक अवरोध के टूटने से सतलुज घाटी फिर प्रभावित हुई। जून, 2013 की केदारनाथ त्रासदी में असाधारण वर्षा, हिम-पिघलाव, चोराबारी ताल से अचानक निकले पानी और विशाल मलबे ने मंदाकिनी घाटी में भयावह विनाश किया। फरवरी, 2021 की चमोली आपदा ने हिमालयी संकट का एक नया रूप सामने रखा। पता चला कि रोंटी क्षेत्र से विशाल चट्टान-हिमस्खलन हुआ था। करीब ढाई करोड़ घन मीटर चट्टान और बर्फ विनाशकारी मलबा-प्रवाह में बदल गई। ऋषिगंगा-तपोवन जलविद्युत परियोजनाएं चपेट में आईं व 200 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई।

अक्तूबर, 2023 में सिक्किम की दक्षिण ल्होनक हिमनद झील फटने से तीस्ता में आई बाढ़ ने दिखाया कि ऊंचे हिमालय में उत्पन्न संकट नीचे बांधों-पुलों, शहरों व सामरिक ढांचों को प्रभावित कर सकता है। दरअसल, इन घटनाओं का कारण कहीं अतिवृष्टि, कहीं हिमनद झील, कहीं चट्टान-हिम स्खलन और प्राकृतिक बांध का टूटना है। एक प्राकृतिक संकट दूसरे संकट को जन्म देता है। यही हिमालय की नई बहु-आपदा चुनौती है।दरअसल, भू-गर्भीय संरचना के चलते भारतीय भू-पट्टिका आज भी यूरेशियाई भू-पट्टिका की ओर बढ़ रही है। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार दोनों के बीच सापेक्ष टकराव करीब 40-50 मिलीमीटर प्रतिवर्ष है। इसी दबाव से हिमालय जन्मा, यही उसे अत्यधिक भूकंपीय क्षेत्र भी बनाता है। हिमालय में तीखी ढलानें, दरारों वाली चट्टानें, पुराने भूस्खलन क्षेत्र और तीव्र कटाव स्वाभाविक हैं। अत- यहां निर्माण व आबादी बढ़ाने से पहले कहीं अधिक सावधानी आवश्यक है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ते तापमान से हिमनद सिकुड़ रहे हैं। फलत- नई झीलें बनी और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इसरो ने 1984 से 2023 के उपग्रह चित्रों के आधार पर भारतीय हिमालयी नदी क्षेत्रों में दस हेक्टेयर से बड़ी 2,431 हिमनद झीलों का अध्ययन किया। इनमें 676 झीलों का में विस्तार पाया गया। हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र में लगभग 200 हिमनद झीलों को खतरनाक माना गया है।दरअसल, कम अवधि में अत्यधिक वर्षा पहाड़ी ढलानों को अस्थिर कर सकती है। नदी में पानी के साथ भारी मलबा पहुंचा सकती है। हर हिमालयी आपदा को सड़क, सुरंग या बांध का परिणाम मानना गलत होगा। लेकिन अनियोजित निर्माण प्राकृतिक खतरे को बड़ी मानवीय त्रासदी में बदल सकता है।

सड़कों के लिए पहाड़ काटना, ढलानों पर भारी निर्माण, नदी किनारे होटल और मकान, खराब जल-निकासी, निर्माण का मलबा नदियों में डालना तथा वन क्षेत्र का क्षरण जोखिम बढ़ाते हैं। जोशीमठ इसका उदाहरण है। दरअसल, शहर पुराने भूस्खलन के मलबे के मोटे जमाव पर स्थित है और वहां भू-धंसाव का खतरा ज्ञात था। 1976 की मिश्रा समिति ने भी भूमि की भार-वहन क्षमता की जांच के बिना भारी निर्माण न करने की सलाह दी थी।

जलविद्युत ऊर्जा-सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। अत- हर बांध को आपदा का कारण मान लेना उचित नहीं। लेकिन हिमनद झील, हिमस्खलन या भूस्खलन वाले क्षेत्र के नीचे बनी परियोजना की सुरक्षा सामान्य नदी परियोजना जैसी नहीं हो सकती। भारत सरकार ने 47 बांधों–38 चालू और नौ निर्माणाधीन–को हिमनद झील फटने से संभावित रूप से प्रभावित होने वाले बांधों में चिन्हित किया है। पहाड़ी राज्यों हेतु जोखिम कम करने की योजना भी बनाई है। आखिर बांध –कहां बने, कितनी क्षमता हो व उसके ऊपर हिमनद, झील, भूस्खलन व मलबा-प्रवाह का खतरा कितना है?

हिमालय के भविष्य का सबसे बड़ा विरोधाभास यही है। हिमनद तेजी से पिघलेंगे तो प्रारंभिक दशकों में अधिक पानी, बड़ी हिमनद झीलें और अचानक बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। लेकिन लंबे समय में हिमनद सिकुड़ने से कुछ नदी क्षेत्रों में शुष्क मौसम के जल-प्रवाह पर दबाव बढ़ सकता है। हिमालयी नदियां राजनीतिक सीमाएं नहीं मानतीं। तिब्बत में बनी प्राकृतिक झील या भूस्खलन भारत और नेपाल को प्रभावित कर सकता है। नेपाल में उत्पन्न बाढ़ भारत तक पहुंच सकती है। इसलिए भारत, नेपाल, भूटान और चीन के बीच वर्षा, नदी प्रवाह, हिमनद झीलों, हिमस्खलन और भूस्खलन का तात्कालिक आंकड़ा-साझाकरण तंत्र आवश्यक है। संवेदनशील हिमनद झीलों और अस्थिर हिम-चट्टानी ढलानों की उपग्रह, रडार, मानवरहित यान और भूमि आधारित संवेदकों से लगातार निगरानी हो। नदी घाटियों में स्वचालित जलमापक यंत्र, कैमरे और चेतावनी सायरन लगाए जाएं। ऊपरी घाटियों में पहचान जितनी जल्दी होगी, नीचे आबादी को उतना अधिक समय मिलेगा।हर हिमालयी शहर, तीर्थ और पर्यटन केंद्र की वहन क्षमता निर्धारित हो। पुराने भूस्खलन क्षेत्र, बाढ़ मैदान और मलबा-प्रवाह मार्गों में निर्माण नियंत्रित किया जाए। बड़ी जलविद्युत और सामरिक परियोजनाओं के लिए बहु-आपदा जोखिम आकलन अनिवार्य बनाया जाए। सबसे महत्वपूर्ण भूमिका स्थानीय समुदाय की है। गांवों को सुरक्षित निकासी मार्ग, ऊंचे सुरक्षित स्थान, चेतावनी संकेत और प्राथमिक बचाव का प्रशिक्षण मिलना चाहिए।हिमालय स्वयं 'कमजोर' होकर समाप्त नहीं हो रहा। वह करोड़ों वर्षों से गतिशील है। कमजोर पड़ रही है तेजी से बदलते हिमालय को समझने और उसके अनुरूप विकास करने की हमारी क्षमता। हमें न हिमालय को विकास से पूरी तरह वंचित करना है और न उसे मैदानी भूगोल समझकर कंक्रीट से भर देना है। विज्ञान को तय करना होगा कि कहां निर्माण सुरक्षित है

हर साल कांग्रेस गठबंधन की गिरती सत्ता या भाजपा की अराजकता

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

पेरेंट्स एक बात याद रखना, उम्मीद एक बार मुँह फेर लें तो सफलता कभी नहीं आती इसलिए बचिए इन दो कौड़ी के नक्कालो से जो यूट्यूबर शिक्षक यूट्यूब एजुकेशन के नाम से एजेंडा चला कर बच्चों को मोबाईल स्टडी का आदी बना रहे। यूट्यूब पर कुछ भी परोस कर व्यूज जुटाने और पेआउट कमाने वालों के दुखती रग पर जैसे ही जाबांज पत्रकार अंजना ओम कश्यप ने हाथ रखा यूट्यूबर बिलबिला उठे। खान सर के नाम से मशहूर फैजल खान की पोल खुल गई। जेल जाने तक की नौबत आ गईं उधर रौशन आजाद यादव ने भी खूब बवाल काटा। पूरा बिहार अंजना ओम को कह उठा वाह दीदी वाह, तुमने तो धो के रख दिया इन धोखेबाज सड़ जी लोगो को !

शिक्षा के नाम पर प्राइवेट स्कूलों से लेकर यूट्यूब तक को व्यवसाय बना चुके लुटेरों को जैसे ही बेनक़ाब किया गया सभी मिमिया उठे। आखिर क्या गलत बोल दिया अंजना ओम कश्यप ने ! दो कौड़ी को दो कौड़ी ही बोला जाना चाहिए, और इस तरह कई सड़ जी तो पढ़ाने के नाम पर छात्रों को मोबाईल का आदी बना रहे। बिहार के फ़ौजी डॉक्टर की बेटी अंजना कश्यप पहले डॉक्टर बनने की तैयारी की फिर डीएम बनना चाहा, लेकिन लुटेरों की वज़ह से बन नहीं पाई तो अब इनको बेनक़ाब करने के मुहिम में है और अब जब वह नामी पत्रकार बन गई है तो दो कौड़ी के लोगो को चुभ रही। पहले जी न्यूज़ फिर न्यूज़ 24 और 2012 में सबसे तेज आज तक के लिए लंबी पारी खेलने वाली अंजना एक तेज तर्रार सामाजिक चिंतक भी है। हर साल कांग्रेस गठबंधन की गिरती सत्ता या भाजपा की अराजकता.. चुनाव की चक्कलस या नेताओं के घोटाले, गिरता रुपया, डायन होती महंगाई सब पर बेबाक अंजना आई और छा गई। कभी टू जी घोटाले पर गरजीं तो कभी रूपये की पतली हालत पर बरसीं, लगता था सबसे तेज को वाकई तेज मिली है। अंजना के अक्स में कभी फ़ौजी पिता तो कभी आईपीएस पति की ईमानदारी दिखती तो है। हिंदुस्तान में नए युग की शुरुआत का साल 2014 जिसमें मीडिया में गोदी मीडिया का बोलबाला हुआ, जो सच लिखें बोले वह गोदी मिडिया कहलाता और जो विपक्ष के लिए लिखें वह निष्पक्ष कहलाता। तमगा देता कौन था ! प्रियंका भारती, राजकुमार भाटी, अनुराग भदौरिया, इत्यादि जिन्हें निष्पक्ष का नि तक नहीं पता । उनके अनुसार सबसे तेज वाले भी गोदी में चले गए।इसके साथ बदल गईं कई धारणाएं, बरसना तो जारी था, मगर घोटालों पर नहीं अब मुद्दों पर, विपक्ष पर नहीं अब एजेंडो पर, ईमानदारी पर नहीं अब बेईमानो पर ! तेवर भी दिखता है लेकिन अब केवल मूल मुद्दों के लिएज कभी-कभी तो ऐसा लगता रहा कि दीदी अब मुद्दों की लड़ाई लेकर बैठी हैं। सरकार पर सवाल उठाने वालों को विपक्ष निपटा रहा और सिस्टम पर सवाल उठाने वालों को पक्ष निपटा रहा। कोई सवाल उठाकर तो देखें ! भाजपाई प्रवक्ता नोटबंदी का समर्थन से लेकर साहेब के हर कदम पर न्योछावर होने में कोई कसर नहीं छोड़ते पर अंजना ने किसी को नहीं छोड़ा। पिछले दिनों बंगाल चुनाव याद है ना, 10 रूपये की झालमुड़ी से सरसों के तेल की खुश्बू का अहसास पूरे देश को करवा दिया इसी मिडिया ने और इसकी ताकत ऐसी की ममता ताकती रह गईं। हाथ में झालमुड़ी के पैकेट को लेकर बात शुरू की और ऐसे चबाया कि विपक्ष की फौज भी पानी-पानी हो गई।बड़ी मेहनत से खोजकर लाई मुद्दों पर बेबाक हो और पूरे देश को बता रही कि ये बात सबकी बात है। विपक्ष झालमुड़ी निपटी तो मेलोडी क्यों चॉकलेटी शुरू कर दिया जबकि अंजना जनहित के मुद्दों पर बोलती रही। नीट पर हुआ प्रहार, चाटुकारिता बनीं ढाल, सबने अलापा दो कौड़ी का राग अंजना ने सवाल पूछा, 22 लाख बच्चों की परीक्षा नीट का पेपर लीक हुआ हर तरफ से सरकार पर हमले होने लगे कई बच्चों का डॉक्टर बनने का सपना टूटा तो जान दे दी इसका जिम्मेदार कौन कोचिंग संस्थान जिन्होंने पैसे देकर अपने छात्रों के लिए पेपर आउट कराए। विपक्ष से लेकर लूट तंत्र तक के जिम्मेदारों ने तो बस विरोध का कंबल ओढ़ रखा है । इंतजार मामला ठंडा करने का हो रहा था , लेकिन लाखों बच्चों को मोटी फीस लेकर पढ़ाने वाले आधुनिक यूट्यूबर शिक्षक भ्रष्टाचार के तीर पर तीर चला रहे ।नीट एसएससी रेलवे जैसे परीक्षा में घोटाले, पेपर लीक को लेकर सरकार पर बिना डरे हमला चल रहा पर कोचिंग संस्थाओं के हेड और सड़ जी को कोई कुछ नही कह रहा । कॉकरोच भी निशाने लगा रहे थे। टीवी पर मुर्गा लड़ाई में ज्यादा तवज्जो पाने वाले प्रवक्ता भी नीट पेपर लीक पर हमलावर दिखने लगे। उन्हें मुद्दा दल के चुप कराया और शिक्षकों के वार रोकने के लिए प्रवक्ता ढाल बन गए। इस तरह स्क्रिप्ट पढ़ी मानों टेलीप्रॉम्पटर अचानक बंद हो जाए और कैमरा चालू रहे। लाखों युवाओं के सपनो पर डाका डालने वाले यूट्यूबर शिक्षकों को दो कौड़ी बता डाला तो क्या गुनाह कर डाला !

इन्हे आता जाता कुछ नहीं बस व्यूज जुटाने के लिए कुछ भी उलूल जुलूल लिख बोर्ड पर एक्सप्लेनर बनते हैं। भोले भाले बच्चों को ठगते हैं। इसके बाद तो मानों भूचाल आ गया। सब तरफ से दीदी पर निशाने चल रहे हैं। एक मैडम तो बच्चों के सामने फूटी कौड़ी ले आईं और बता दिया हम दो कौड़ी के क्यों है ! अब सबसे तेज की किरकिरी भी हो रही है। शिक्षक लॉबी बौराई तो सबसे तेज वालों को भला बुरा पर उससे क्या हुआ ! उल्टे टीआरपी बढ़ गई। यह कोई नहीं दिखाता की साक्षात्कार पैनल में बैठे सड़ जी कितने पैसे लेकर चयन करते है ! दावो के अनुसार वैकेंसी की सीटे पहले से मंत्री नेताओं ले रिस्तेदारों को बेचे जाते है। चलते हैं उन मुद्दों की ओर जो अभी उठे ही नही जैसे कठिन सवाल पूछने वाली अंजना दीदी घेरी जा रही हैं।मोबाइल पर गरीबों को मुफ्त में पढ़ाने का दावा करने वालों का काला सच उजागर हुआ तो अंजना पर ही कीचड़ उड़ेल दिया। इन्हे लगता है दीदी इनके खिलाफ एजेंडा चलाना चाहती हैं मगर सबसे तेज, और बाल बच्चे वालों को तो देखना चाहिए कि लूट कहाँ से कहाँ तक पहुंचा ! कम से कम थोड़ा लिहाज तो रखते। ऐसा न हो कि इन दो कौड़ी वाले के साथ कॉकरोच की फौज भी खड़ी हो क्यूंकि आजकल सस्ती लोकप्रियता का दौर चल रहा।

रेगिस्तान के बीच ज्ञान का विशाल खजाना

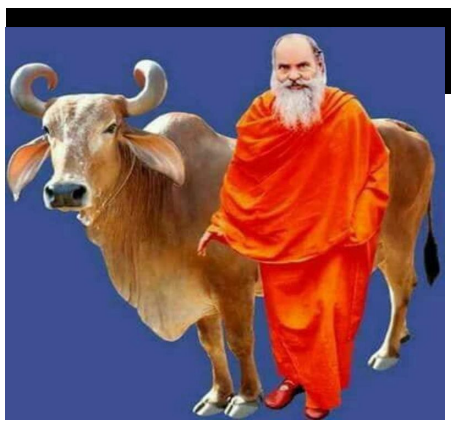

राजस्थान के जैसलमेर में पोखरण के निकट भादरिया गांव में भादरिया महाराज द्वारा स्थापित भूमिगत लाइब्रेरी की गिनती दुनिया की विशालतम अंडरग्राउंड लाइब्रेरियों में की जाती है। रेगिस्तान की गर्मी से पुस्तकों को सुरक्षित रखने के लिए इसे भूमि के नीचे बनाया गया है। यहां लाखों पुस्तकें, दुर्लभ ग्रंथ और पांडुलिपियां संगृहीत हैं। यह शोधकर्ताओं और ज्ञान-पिपासुओं के लिए नायाब केंद्र है।राजस्थान का इतिहास शौर्य की गाथाओं से पटा हुआ है, कला-संस्कृति और साहित्य यहां का बेमिसाल है, यहां की लोक संस्कृति के तो क्या कहने! राजस्थान धार्मिक राज्य के रूप में भी प्रसिद्ध है, जहां त्योहारों पर मेले लगते रहते हैं। इन मेलों से हटकर जिस प्रसंग ने देश में ही नहीं, एशिया में कीर्तिमान स्थापित किया है। वह है–दुनिया की सबसे बड़ी भूमिगत (अंडरग्राउंड) लाइब्रेरियों में शामिल भादरिया लाइब्रेरी, जो पोखरण और जैसलमेर के बीच स्थित भादरिया गांव में भादरिया माता मंदिर परिसर में स्थापित है।जोधपुर से जैसलमेर की तरफ जाते हुए रास्ते में दो प्रमुख पड़ाव पड़ते हैं। एक है पोखरण, जहां दो बार परमाणु परीक्षण हुए थे। दूसरा पड़ाव भी पोखरण में ही बाबा रामदेवरा मंदिर के रूप में है। पोखरण से जब जैसलमेर की तरफ़ बढ़ते हैं, तो रास्ते में भादरिया गांव पड़ता है। मुख्य सड़क पर दाईं ओर साहित्य की कुछ दुकानों को देखकर लगता है कि यह कोई महत्वपूर्ण स्थान है। मैं गाड़ी रुकवाता हूं। साहित्य बेचने वाला दुकानदार बताता है कि यह बाबा हरबंससिंह निर्मल का डेरा है, जिन्हें भादरिया महाराज के नाम से जाना जाता है। यहां बहुत बड़ी गौशाला है।वर्ष 2009 में मैं यहां गया था। दूसरी बार 2017 में यहां आया तो अचानक मेरी नज़र वहां भूमिगत इमारत में रखी कुछ पुस्तकों पर पड़ी, जिन्हें अलमारियों में करीने से सजाया जा रहा था। निवेदन करने पर एक व्यक्ति हमें भूमिगत लाइब्रेरी दिखाने के लिए ले गया। यह सोलह फीट नीचे भूमिगत निर्मित ग्रंथालय है–देश में अपने किस्म का अनोखा पुस्तकालय। यह 15-16 हज़ार वर्ग फीट में फैला है। बेशक भादरिया महाराज ने 1981 में इस भूमिगत लाइब्रेरी की नींव रख दी थी और 1996 में वह काफी हद तक तैयार हो गई थी, लेकिन यह कार्य निरंतर चलता है।वर्ष 2009 में मैंने लाइब्रेरी का एक चक्कर लगाया। कुछ किताबों पर नज़र भी डाली। वहां एक व्यक्ति ने बताया कि रेगिस्तान की तेज़ गर्मी और रेतीली आंधियों से पुस्तकों को सुरक्षित रखने के लिए इस भूमिगत लाइब्रेरी के तापमान को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित रखा गया है। बाबा जी इसे ऐसा स्वरूप देना चाहते हैं जो लाजवाब हो। बाबा जी ने यूरोप के पुराने महलों और मठों में भी लाइब्रेरियां देखी हैं, लेकिन वहां उन्हें कहीं भी भूमिगत लाइब्रेरी देखने को नहीं मिली; लिहाज़ा उन्होंने ऐसी भूमिगत लाइब्रेरी की कल्पना की। मुझे बताया गया कि विश्व का कोई ऐसा विषय नहीं है जिसपर यहां ग्रंथ उपलब्ध न हों। विज्ञान, खगोलशास्त्र से लेकर इतिहास, दर्शन, ज्योतिष, कानून, वेदों की संपूर्ण श्रृंखला, आयुर्वेद, पुराण, उपनिषद, सभी प्रमुख धर्मों के ग्रंथ, भारत का संविधान के अतिरिक्त महात्मा गांधी तथा देश के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के भाषण भी इसमें शामिल हैं। यहां केवल हिंदी और अंग्रेज़ी में ही नहीं, अपितु संस्कृत, फ़ारसी, उर्दू, तमिल आदि भाषाओं के दुर्लभ ग्रंथ भी उपलब्ध हैं। इस भूमिगत लाइब्रेरी में काफी पुस्तकें भादरिया बाबा को भेंट में भी प्राप्त हुई थीं।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

राखी बांधी तो डीएम ने निभाया भाई का फर्ज, जमा कराई फीस और दिलाई साइकिल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह रोज की तरह जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान एक मां अपनी बेटी के साथ कलेक्ट्रेट पहुंची। हाथ में एक प्रार्थना पत्र था, जिसमें बेटी को पढ़ाने का सपना अल्फाजों में उकेरा गया था। मां ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण कई महीनों से बेटी की स्कूल फीस जमा नहीं हो सकी है। रक्षाबंधन के मौके पर बेटी इशु यादव ने डीएम को राखी बांधने की इच्छा जताई। डीएम ने उसकी इच्छा का मान रखा और इशु ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। इसके बाद डीएम ने भी भाई का फर्ज निभाया। इशु की फीस जमा कराई, स्कूल आने-जाने के लिए उसे साइकिल दिलाई और अन्य उपहार भी दिया।

नौबस्ता के आवास विकास हंसपुरम निवासी ललिता यादव के पति प्रागी लाल यादव की वर्ष 2017 में मृत्यु हो गई थी। परिवार में दो बेटे और दो बेटियां हैं। एक

बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि दोनों बेटे अलग रहते हैं। ललिता ने अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि बेटों से उन्हें कोई आर्थिक मदद नहीं मिलती। वह घरों में चौका-बर्तन कर घर का खर्च चलाने के साथ बेटी इशु की पढ़ाई का खर्च उठा रही हैं।

पढ़ाई में मेधावी इशु नौबस्ता स्थित केपी वाईजन सहयोगी इंटर कॉलेज में कक्षा 12 की छात्रा है। आर्थिक तंगी के कारण उसकी फीस कई महीनों से जमा नहीं हो सकी थी और करीब 29 हजार रुपये बकाया हो गए थे। बेटी की पढ़ाई बीच में न छूट जाए, इसी चिंता में ललिता ने डीएम से मदद मांगी थी।

मामला सामने आने पर डीएम ने विद्यालय के प्रधानाचार्य से बात की। बकाया रकम में आधी फीस स्वयं जमा कराई और शेष आधी प्रधानाचार्य से बात कर माफ कराई।

डीएम ने इशु से पढ़ाई और स्कूल आने-जाने के बारे में भी पूछा। पता चला कि घर

से स्कूल की दूरी करीब 2 किलोमीटर है और आने-जाने में काफी समय लगता है। इस पर उन्होंने इशु के लिए साइकिल खरीदवाई। गुरुवार को ही उसे साइकिल मिल गई और वह उसी से स्कूल से अपने घर लौटी।

डीएम को राखी बांधने के बाद इशु ने अपना सपना भी उनसे साझा किया। उसने कहा कि वह मन लगाकर पढ़ाई करेगी और आगे चलकर आईएएस अधिकारी बनना चाहती है। अधिकारी बनकर वह भी लोगों की समस्याएं सुनेगी और जरूरतमंदों की मदद करेगी। डीएम ने इशु का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वह पूरी लगन से पढ़ाई करे और आईएएस बनने के अपने सपने को पूरा करे। साथ ही डिप्टी कलेक्टर ज्योति शर्मा को इशु की मेंटरिंग की जिम्मेदारी दी। वह आगे उसकी पढ़ाई में मार्गदर्शन करने के साथ जरूरत के मुताबिक हर संभव सहायता उपलब्ध कराएंगी।

एक्सपायर्ड टॉफी फेंकने वाली फर्म सील, वीडियो हुआ था वायरल

रैपर और पैकेट की पड़ताल से पनकी की सुधा सेल्स तक पहुंची खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सार्वजनिक स्थान पर एक्सपायर्ड टॉफियां फेंके जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने पनकी के इस्पात नगर स्थित सुधा सेल्स को सील कर दिया। मौके पर मिले रैपर और मूल पैकेट की पड़ताल से फर्म का पता चला, जिसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम प्रतिष्ठान पहुंची।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा संजय प्रताप सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो का संज्ञान लेकर मामले की जांच कराई गई। मौके पर मिले रैपर और पैकेट की जांच में संबंधित उत्पाद का जुड़ाव सुधा सेल्स से सामने आया। संचालक के शहर से बाहर

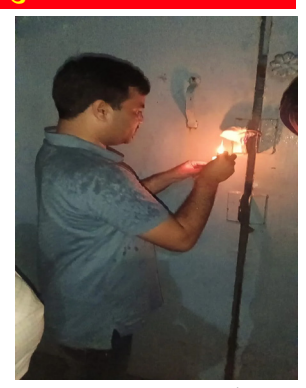

होने की जानकारी मिली है।खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने प्रतिष्ठान को सील कर दिया। संचालक को वापस लौटने पर विभाग से संपर्क कर प्रतिष्ठान का निरीक्षण कराने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के बाद ही कारोबार शुरू किया जा सकेगा। सील से छेड़छाड़ करने पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कॉरिडोर-2 अंडरग्राउंड सेक्शन की 'डाउनलाइन टनल' में ट्रैक निर्माण कार्य पूरा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के लगभग 8.60 किमी लंबे कॉरिडोर-2 (सीएसए से बर्रा-8) का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में उक्त कॉरिडोर के लगभग 4.10 किमी लंबे अंडरग्राउंड सेक्शन (रावतपुर डबल पुलिया) के 'डाउनलाइन टनल' में ट्रैक निर्माण का कार्य पूरा कर लिया है। इसके साथ ही कॉरिडोर-2 डिपो रैंप से विजय नगर स्टेशन के निकट स्थित रैंप तक 'डाउनलाइन' ट्रैक अब बनकर तैयार हो गया है। वर्तमान में उक्त अंडरग्राउंड सेक्शन के 'अप-लाइन' टनल और दो हिस्सों में बन रहे लगभग 4.50 किमी लंबे एलिवेटेड सेक्शन की दोनों लाइनों (अपलाइन और डाउनलाइन) पर भी ट्रैक निर्माण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।गौरतलब है कि इसी साल मार्च में कॉरिडोर-2 के अंडरग्राउंड सेक्शन की टनलिंग का कार्य पूरा करने के बाद ट्रैक निर्माण की प्रक्रिया आरंभ की गई थी। सबसे पहले रेल (पटरियों) की वेल्डिंग एवं 'डाउनलाइन टनल' के अंदर उन्हें बिछाने के कार्य की शुरुआत की गई। इसके लिए कॉरिडोर-2 डिपो रैंप के पास एफबीडब्ल्यू (फ्लैश बट वेल्डिंग) प्लांट को जमीन के नीचे लोअर किया गया। यहां रेल (पटरियों) की वेल्डिंग कर उन्हें ट्रैक्टर एवं अन्य उपकरणों की सहायता से टनल के भीतर बिछाया गया। पटरियां बिछाने के बाद ट्रैक स्लैब की ढलाई का कार्य आरंभ किया गया। ट्रैक में डिरेलमेंट गार्ड और थर्ड रेल लगाने की व्यवस्था भी की गई है।

गिट्टी-रहित ट्रैक का उपयोग

कानपुर मेट्रो के एलिवेटेड और अंडरग्राउंड दोनों सेक्शनों में बैलास्ट-लेस (गिट्टी-रहित) ट्रैक का उपयोग किया जाता है। ऐसे ट्रैक में रखरखाव की कम से कम आवश्यकता पड़ती है। मेट्रो सेवा में 15-16 घंटे के लंबे ट्रेन संचालन के दौरान, ट्रेनों को बहुत कम आवृत्ति पर संचालित किया जाता है। इसलिए इन घंटों के दौरान रखरखाव की लगभग कोई गुंजाइश नहीं होती है और एक ऐसी कुशल प्रणाली की आवश्यकता होती है जो कम से कम रखरखाव पर भी सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की सुविधा प्रदान कर सके।

रक्षाबंधन पर माताओं, बहनों और बेटियों को सहयात्री सहित मिलेगी निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा

60 वर्ष से अधिक आयु की माताओं-बहनों को निःशुल्क बस यात्रा की सौगात, 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ
रक्षाबंधन पर महिलाओं ने मंत्री राकेश सचान को बांधी राखी, निःशुल्क यात्रा की सौगात पर जताया प्रदेश सरकार का आभार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रक्षाबंधन के पर्व से पहले बुधवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) का सभागार मातृशक्ति के सम्मान और उत्सव का साक्षी बना। प्रदेश सरकार द्वारा रक्षाबंधन पर महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा तथा 60 वर्ष से अधिक आयु की माताओं-बहनों के लिए 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्री राकेश सचान रहे।

रक्षाबंधन के दृष्टिगत प्रदेश सरकार की बसों में माताओं, बहनों एवं बेटियों को सहयात्री सहित निःशुल्क यात्रा की सुविधा 27 अगस्त को प्रातः 6 बजे से 29 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे तक उपलब्ध रहेगी। इससे त्योहार पर महिलाओं को अपने भाइयों एवं परिजनों के यहां आने-जाने में सहूलियत

मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। सभागार में मौजूद जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में महिलाओं ने मुख्यमंत्री के संबोधन को देखा और सुना। महिलाओं के सम्मान, सुविधा और सशक्तीकरण से जुड़े मुख्यमंत्री के संदेश पर मातृशक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था।

कैबिनेट मंत्री श्री राकेश सचान ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं की सुविधा, सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को केंद्र में रखकर लगातार फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर बहनों को अपने भाइयों के घर आने-जाने में परेशानी न हो, इसी सोच के साथ निःशुल्क यात्रा की शुरुआत की गई थी। बाद में महिलाओं की सुविधा को देखते हुए सहयात्री को भी इसके दायरे में शामिल किया गया।

उन्होंने कहा कि अब 60 वर्ष से अधिक आयु की माताओं-बहनों के लिए 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना की शुरुआत मातृशक्ति के सम्मान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। पात्र महिलाएं प्रदेश में संचालित सरकारी बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने महिलाओं और समाज के उत्थान के लिए जीवनभर कार्य किया। उनके नाम पर योजना की शुरुआत उनके योगदान के प्रति सम्मान है।

मंत्री श्री सचान ने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने की सरकार की मुहिम यात्रा सुविधा तक सीमित नहीं है। आवास, आजीविका, आर्थिक स्वावलंबन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी अनेक योजनाओं में मातृशक्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। उद्देश्य है कि योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र महिला तक पहुंचे और महिलाएं सामाजिक एवं आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनें।

रक्षाबंधन का उल्लास उस समय और बढ़ गया जब आरती श्यामा , रमाकांति, प्रीति तिवारी, दिव्या कुशवाहा, मधु, नीतू शुक्ला, श्वेता तिवारी, शिव कुमारी, प्रपाशा दीक्षित, रूपाली गौतम एवं रजनी ने कैबिनेट मंत्री श्री राकेश सचान की कलाई पर राखी बांधी। मंत्री ने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए साड़ी एवं मिठाई भेंट की। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने पहुंचीं लगभग 1100 महिलाओं को भी उपहार स्वरूप साड़ी और मिठाई प्रदान की गई। महिलाओं की बड़ी भागीदारी से पूरा सभागार रक्षाबंधन के उत्सव के रंग में नजर आया।

कार्यक्रम में विधायक कल्याणपुर श्रीमती नीलिमा कटियार, विधान परिषद सदस्य श्री अरुण पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष/प्रशासक श्रीमती स्वप्निल वरुण, जिलाधिकारी श्री जितेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव जे. जैन, परियोजना निदेशक डीआरडीए श्री आलोक कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी श्री मनोज कुमार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अनुराग सिंह सहित परिवहन विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम में निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा और साड़ी-मिठाई मिलने को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। महिलाओं ने सरकार की पहल को सुविधा के साथ सम्मान और अपनत्व से जोड़कर देखा।

संगीता गुप्ता ने कहा कि महिलाओं के लिए बस यात्रा की सुविधा और साड़ी वितरण की पहल बहुत अच्छी है। खासकर जिन बहनों के भाई नहीं हैं, उनके लिए रक्षाबंधन पर साड़ी मिलना भावुक और सुखद अनुभव है। इससे यह एहसास होता है कि त्योहार पर उनके बारे में भी सोचा गया है।अंबेडकर नगर, जरौली निवासी 60 वर्षीय किरण देवी निःशुल्क यात्रा की सुविधा को लेकर उत्साहित दिखीं। उन्होंने कहा कि 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए यह सुविधा बहुत काम आएगी। अब कहीं आने-जाने में किराये की चिंता नहीं रहेगी।

सरोज ने साड़ी मिलने को सम्मान और स्नेह से जोड़ा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं को अपनी बहन समझकर रक्षाबंधन पर सम्मान दिया है। यह उनके लिए उपहार से बढ़कर अपनत्व का एहसास है।मिताली यादव ने कहा कि रक्षाबंधन पर साड़ी और मिठाई मिलने से त्योहार की खुशी और बढ़ गई है। वहीं निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा से बहनों को अपने भाइयों और परिजनों के यहां आने-जाने में सहूलियत मिलेगी। महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखकर उठाए गए इस कदम के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया।

गंदगी के बीच बन रहा था खोया, ट्रेन से आया 500 किलो बदबूदार खोया भी पकड़ा

रक्षाबंधन से पहले 700 किलो खोया व 150 लीटर मिक्स्ड मिल्क नष्ट, करीब 2.47 लाख रुपये थी कीमत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रक्षाबंधन से पहले खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बुधवार को खोये और दुग्ध उत्पादों को लेकर दो बड़ी कार्रवाइयां कीं। घाटमपुर के परास में बेहद अस्वच्छ परिस्थितियों में खोया बनता मिला, वहीं गोविंद नगर रेलवे स्टेशन के आउटर के पास इटावा-कानपुर पैसेंजर से उतारा गया करीब 500 किलो बदबूदार खोया सड़क किनारे गंदी बोरियों में पड़ा मिला। दोनों कार्रवाइयों में कुल 700 किलो खोया और 150 लीटर मिक्स्ड मिल्क नष्ट कराया गया। इनकी अनुमानित कीमत करीब 2.47 लाख रुपये है।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा संजय प्रताप सिंह ने बताया कि आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी कानपुर नगर के निर्देश पर रक्षाबंधन के दृष्टिगत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने घाटमपुर तहसील के परास में छापा मारा। यहां सत्येंद्र सिंह खोये का निर्माण करते मिले। मौके पर स्किम्ड मिल्क पाउडर को घोलकर खोया तैयार किया जा रहा था। निर्माण और भंडारण स्थल पर साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब मिली।टीम को कई दिन पुराना खोया खुले में रखा मिला। खोये और दूध पर मक्खियां भिनभिना रही थीं। अस्वच्छ परिस्थितियों को देखते हुए करीब 200 किलो खोया, जिसकी अनुमानित कीमत 64 हजार रुपये थी, तथा 150 लीटर मिक्स्ड मिल्क, कीमत करीब 8,250 रुपये, मौके पर ही नष्ट कराया गया। खोया, मिक्स्ड मिल्क और स्किम्ड मिल्क पाउडर के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई में क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश यादव के साथ नरेंद्र शर्मा, कयामुद्दीन एवं किरण यादव शामिल रहे।इसी दौरान विभाग को सूचना मिली कि इटावा-कानपुर पैसेंजर से बड़ी मात्रा में खोया कानपुर लाया जा रहा है। सूचना पर खाद्य सचल दल गोविंद नगर रेलवे स्टेशन के पास पहुंचा। स्टेशन के आउटर क्षेत्र में सड़क किनारे बारिश के बीच गंदी बोरियों में बड़ी मात्रा में खोया रखा मिला। खाद्य सचल दल को देखते ही वहां मौजूद दो व्यक्ति खोया छोड़कर भाग निकले।आसपास के लोगों से पूछताछ में पता चला कि खोया इटावा-कानपुर पैसेंजर से उतारा गया था और इसे ऑटो में लादकर ले जाने की तैयारी थी। टीम ने काफी देर तक खोये पर दावा करने वाले व्यक्ति का इंतजार किया, लेकिन कोई सामने नहीं आया। बारिश के बीच सड़क किनारे अस्वच्छ परिस्थितियों में रखे खोये से दुर्गंध आ रही थी और वह प्रथम दृष्टया मानव उपभोग योग्य नहीं पाया गया।इसके बाद करीब 500 किलो खोया, जिसकी अनुमानित कीमत 1.75 लाख रुपये थी, गोविंद नगर स्थित कूड़ा निस्तारण स्थल ले जाकर विनष्ट कराया गया। रक्षाबंधन के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मिठाई, दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

111 मोबाइल लौटाकर पुलिस ने लौटाईं अपनों से जुड़ने की खुशियाँ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना बर्रा परिसर में दक्षिण जोन सर्विलांस टीम एवं समस्त थानों की ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल टीम द्वारा बरामद किए गए 111 मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किए गए। कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिण सुमित सुधाकर रामटेके एवं एसीपी बर्रा की उपस्थिति में मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को वितरित किए गए। लंबे समय बाद अपना खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी और संतोष की झलक दिखाई दी।

इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों द्वारा कहा गया कि ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल के माध्यम से गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। बरामद मोबाइल फोन को उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुंचाना पुलिस की जनसेवा एवं जनविश्वास को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।वहीं रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर महिला उपनिरीक्षकों एवं महिला आरक्षियों द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने महिला पुलिसकर्मियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। 111 मोबाइल फोन की वापसी और रक्षाबंधन के इस भावनात्मक आयोजन ने पुलिस एवं आमजन के बीच विश्वास, अपनत्व और सामाजिक जुड़ाव की भावना को और मजबूत किया।

छत से गिरी 5 साल की बच्ची, गंभीर हालत में कानपुर रेफर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। साढ़ थाना क्षेत्र स्थित बारीगांव में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। घर की छत पर खेल रही 5 साल की बच्ची संतुलन बिगड़ने के कारण करीब 12 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गई। हादसे में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई है।बारीगांव निवासी छोटे सक्सेना की 5 वर्षीय बेटी अंशिका मंगलवार को अपने घर की छत पर खेल रही थी। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह 12 फीट नीचे गिर पड़ी। गिरने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे, तो बच्ची घायल अवस्था में मिली। उसके सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्टाष्ट) भीतरगांव ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बच्ची की गंभीर हालत को देखते हुए उसे कानपुर जिला अस्पताल (उर्सला/हैलट) के लिए रेफर कर दिया। साढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार मिश्रा ने बताया कि बच्ची के छत से गिरने की सूचना प्राप्त हुई थी?

बाल गृह की बेटियों के हुनर से सजा रक्षाबंधन, हाथों से तैयार कीं राखियां

कलेक्ट्रेट में लगा विशेष स्टॉल, राखियों के साथ तैयार कीं रोली-चावल की पोटलियां

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रक्षाबंधन पर इस बार राजकीय बाल गृह की बेटियों के हुनर की झलक भी देखने को मिल रही है। राजकीय बाल गृह यूनिट-1 एवं यूनिट-2 की बालिकाओं ने अपने हाथों से आकर्षक राखियां और रोली-चावल की पोटलियां तैयार की हैं। सोमवार को इन हस्तनिर्मित राखियों का विशेष स्टॉल कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में लगाया गया। बालिकाओं की यह पहल उनके कौशल को निखारने के साथ भविष्य में उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है।

अचिंत्य फाउंडेशन द्वारा संचालित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत बाल गृह की बालिकाओं को प्रोफेशनल एम्ब्रॉयडरी के साथ सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम का प्रायोजन भी फाउंडेशन की ओर से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान सीखे हुनर का इस्तेमाल करते हुए बालिकाओं ने रक्षाबंधन के लिए राखियां तैयार कीं। इसके साथ ही रोली और चावल की आकर्षक पोटलियां भी बनाई गई हैं।

जिला प्रशासन की ओर से इस कौशल विकास कार्यक्रम को सहयोग दिया जा रहा है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बालिकाओं के कौशल

विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रोत्साहित किया है। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण को केवल गतिविधि तक सीमित न रखकर बालिकाओं को ऐसा हुनर देना है, जिसका भविष्य में वे आजीविका के लिए भी उपयोग कर सकें।राखियां तैयार करने की इस गतिविधि के माध्यम से बालिकाओं में रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने का भी प्रयास किया गया है। राजकीय बाल गृह यूनिट-1 एवं यूनिट-2 में बालिकाओं के साथ रक्षाबंधन का पर्व भी मनाया जाएगा। इस दौरान बालिकाओं द्वारा स्वयं तैयार की गई राखियों का उपयोग किया जाएगा।यह पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के महिला एवं बालिका सशक्तीकरण, सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के विजन तथा मिशन शक्ति की भावना से भी जुड़ी है। कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं को प्रशिक्षण देकर भविष्य में अपने पैरों पर खड़े होने योग्य बनाने पर जोर दिया जा रहा है।अजित फाउंडेशन की ओर से समाज के वंचित एवं संवेदनशील वर्ग के बच्चों को कौशल और अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, ताकि प्रशिक्षण के माध्यम से उनमें आत्मविश्वास विकसित हो और वे भविष्य में आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में आगे बढ़ सकें। इस दौरान अचिन्त्य चैरिटेबल फाउंडेशन की निदेशक दिशा अरोड़ा भी मौजूद रहीं।

राष्ट्रध्वज लेकर राष्ट्रगान गाकर कानपुर महानगर कांग्रेस ने कोतवाली में दी तहरीर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना से संबंधित वायरल वीडियो में राष्ट्रगान के दौरान कार्यक्रम स्थल से जाने के कथित घटनाक्रम को लेकर आज कानपुर महानगर कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कोतवाली थाने में तहरीर दी।

कांग्रेसजनों ने जमकर नारेबाजी करी।राष्ट्र गान का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान की जोरदार नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रगान किसी दल की संपत्ति नहीं, बल्कि पूरे देश के सम्मान और गौरव का प्रतीक है। इसलिए मामले को राजनीतिक विवाद के बजाय राष्ट्रगान के सम्मान और संवैधानिक मर्यादा से जुड़े विषय के रूप में देखा जाना चाहिए। जांच में यदि किसी कानून का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

इस दौरान पवन गुप्ता, हरप्रकाश अग्निहोत्री, प्रतिभा पाल, पदम मिश्रा, संजय शाह, सुधीर साहू, विनोद अवस्थी, मुकेश कन्नौजिया, आसिफ इकबाल, अकील कुरैशी, रामप्रकाश शर्मा, मनोज अवस्थी, आशुतोष शुक्ला, विवेक पाल, चंद्रमणि मिश्रा, मनोज दुबे, अबरार अहमद, दीप पांडे, वैभव गुप्ता, ऋषि कुमार, मेराज अहमद, हाजी इम्तियाज आदि थे।

जल भराव को लेकर अनोखा प्रदर्शन कांग्रेस नेता ने बाथटब को बनाया नाव

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुई महज 30 मिनट की बारिश ने नगर के कई स्थानों में जलभराव की स्थिति बन गई। दक्षिण कानपुर के गोविंदनगर-चावला मार्केट क्षेत्र समेत कई इलाकों में सड़कों पर भारी जलभराव हो गया जिससे कई दोपहिया वाहन बंद हो गए और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

नगर निगम की लापरवाही के विरोध में कांग्रेस नेता विकास अवस्थी ने बेहद अनोखे अंदाज में प्रदर्शन करते हुए जलभराव वाली सड़क पर बड़ा बाथटब लेकर उतर गए और उसमें बैठकर नाव की तरह तैरने लगे। इस दौरान उनके साथ मौजूद एक कार्यकर्ता ने पार्टी के झंडे को चप्पू की तरह इस्तेमाल करते हुए बाथटब चलाया और नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

तंज कसते हुए विकास अवस्थी ने कहा, नगर निगम लगातार दावा करता है कि शहर में पानी नहीं भरने दिया जाएगा, लेकिन हालात सबके सामने हैं। यदि यही स्थिति बनी रही, तो बारिश के बाद लोगों को सड़क पर निकलने के लिए बाथटब को ही नाव बनाना पड़ेगा।÷ उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम के अधिकारी दक्षिण क्षेत्र की जलभराव समस्या को हल करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं।

न्यायालय के आदेश पर 36,580 किलोग्राम असुरक्षित भुना चना कराया गया नष्ट

औरामिन डाई की मौजूदगी के कारण घोषित हुआ था असुरक्षित, 33.48 लाख रुपये थी अनुमानित कीमत

» बीपीएस न्यूज

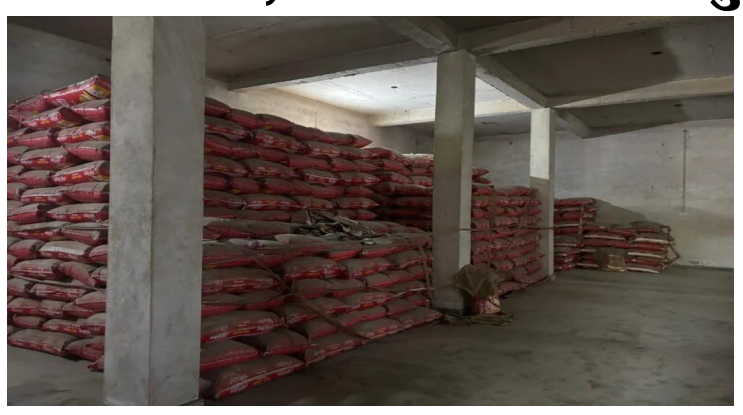

कानपुर। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 36,580 किलोग्राम सीज भुना चना का विनष्टीकरण कराया। 33.48 लाख रुपये अनुमानित मूल्य के इस भुना चना को औरामिन डाई की उपस्थिति के कारण असुरक्षित घोषित किया गया था। नगर निगम के भौंती स्थित डंपिंग यार्ड में तीन सदस्यीय समिति की निगरानी में इसे पर्यावरण अनुकूल तरीके से नष्ट कराया गया।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 17 दिसंबर 2025 को की गई कार्रवाई के दौरान उक्त भुना चना सीज किया गया था। जांच में इसमें औरामिन डाई की उपस्थिति पाई गई, जिसके आधार पर इसे असुरक्षित घोषित किया गया। रेफरल प्रयोगशाला की जांच में भी इसकी पुष्टि हुई थी।सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोर्ट संख्या-1, कानपुर नगर में सरकार बनाम महेश कुमार गुप्ता से संबंधित दो वादों में सीज सामग्री के विनष्टीकरण के संबंध में न्यायालय ने 14 जुलाई 2026 को आदेश दिया था।

न्यायालय के आदेश के अनुपालन के लिए मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की गई। इसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह एवं डॉ. देवेंद्र सिंह आजाद को सदस्य बनाया गया। समिति ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से पर्यावरण अनुकूल विनष्टीकरण के संबंध में दिशा-निर्देश मांगे।प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इस कार्य के लिए दो पंजीकृत एजेंसियों की जानकारी दी। संबंधित फर्म द्वारा इन एजेंसियों से संपर्क करने पर विनष्टीकरण के लिए 40 रुपये प्रति किलोग्राम शुल्क बताया गया। फर्म ने शुल्क अधिक होने के कारण इसे वहन करने में असमर्थता जताते हुए वैकल्पिक व्यवस्था का अनुरोध किया। इसके बाद नगर निगम से संपर्क कर भौंती स्थित डंपिंग यार्ड में पर्यावरण अनुकूल विनष्टीकरण की व्यवस्था की गई।समिति ने मौके पर पहुंचकर सीज सामग्री पर लगी सील की जांच एवं सत्यापन किया। सील सही पाए जाने के बाद उसे नियमानुसार हटाकर सामग्री विनष्टीकरण के लिए अवमुक्त की गई। निरीक्षण के दौरान कुछ सामग्री चूहों से क्षतिग्रस्त भी पाई गई। इसके बाद उपलब्ध 36,580 किलोग्राम भुना चना 23 अगस्त को नगर निगम के भौंती स्थित डंपिंग यार्ड में नगर निगम से अनुबंधित फर्म मेसर्स एनवायरमेंटल टेक्नो, आगरा के माध्यम से नियमानुसार नष्ट कराया गया।

महिला जनसुनवाई में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य ने पीड़ित महिलाओं की सुनी समस्यायें

महिला उत्पीड़न एवं घरेलू हिंसा सहित अन्य मामलों में त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अनिता गुप्ता एवं पूनम द्विवेदी की संयुक्त अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में महिला जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जनसुनवाई में 20 मामले आये। आयोग की सदस्यों ने प्रकरणों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का नियमानुसार एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आयोग की सदस्य अनिता गुप्ता ने कहा कि महिला संबंधी शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता एवं तत्परता बरती जाए तथा शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिला उत्पीड़न एवं घरेलू हिंसा सहित अन्य मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं एवं बालिकाओं के हित में संचालित शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने महिला एवं बालिका सुरक्षा से जुड़े मामलों में संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।बैठक के पश्चात आयोग की सदस्यों द्वारा चौबेपुर ब्लॉक में जागरूकता चौपाल एवं पोषण पंचायत का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं को महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं शासन की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा इसी अवसर पर अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसके पश्चात ब्लाक परिसर में आयोग की सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

इस अवसर पर एडीएम (न्यायिक) बिन्दुलता, एडीसीपी (ट्रैफिक) अर्चना सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिओम सिंह, महिला थाना प्रभारी सुल्ताना, वन स्टॉप सेंटर मैनेजर वंदना द्विवेदी, प्रोबेशन विभाग से अजित सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

रक्तदान शिविर, 20 रक्तदाताओं ने किया महादान

कानपुर। संकल्प सेवा समिति की ओर से 30 अगस्त को कानपुर के मैनावती मार्ग स्थित एनआरआई सिटी में 282वां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए पर्याप्त रक्त उपलब्ध कराना और रक्त की कमी के कारण किसी मरीज को परेशानी न होने देना रहा।

इस अवसर पर एनआरआई सिटी के अध्यक्ष अजय भार्गव सहित कुल 20 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।रक्तदान शिविर में संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान करने वाले सभी लोगों को संस्था की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।संकल्प सेवा समिति लंबे समय से रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

कचरे के ढेर से एक्सपायर्ड चॉकलेट और टॉफियां लूटने की मची होड़

टाफी और चॉकलेट लूटने का वीडियो सोशल मीडिया में हुआ वायरल

पुलिस जांच के बाद करेगी एफआईआर दर्ज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर के पनकी इंडस्ट्रियल एरिया के डंपिंग यार्ड में फेंकी गई एक्सपायर्ड चॉकलेट और टॉफियां बीनने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। यह हैरान कर देने वाली बात है कि लोगो ने कूड़े के ढेर में फेंके गए चॉकलेट और टॉफी के डिब्बों पर एक्सपायरी भी नही देखी। यही चॉकलेट और टॉफी उनके बच्चों को बीमार कर सकता है। फिलहाल इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कूड़े के ढेर में बड़ी मात्रा में चॉकलेट और टॉफी के बॉक्स फेंके गए थे। इन्हें देखते ही आसपास के लोगों के साथ-साथ सड़क से गुजरने वाले राहगीर, बाइक सवार, कार सवार और यहां तक कि ट्रक चालक भी अपनी गाड़ियां रोककर चॉकलेट उठाने लगे। कोई यह तक नही सोच रहा है कि इतनी अधीक मात्रा में कोई सामान क्यों फेकेगा, लेकिन फ्री की चीज पाने के लिये लोग उतावले हो गये।लूट की होड़ कुछ इस तरह मची की लोग थैलियों, बोरियों और गाड़ियों की डिग्गियों में चॉकलेट भरकर ले जाते दिखे। लूटपाट के कारण सड़क पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही। देखते ही देखते महज 30 मिनट के भीतर करीब 1 ट्रक के बराबर का माल कूड़े के ढेर से गायब हो गया।मामले का संज्ञान लेते हुए डीसीपी वेस्ट कासिम आबिदी ने बताया कि एक्सपायरी चॉकलेट लूटने का वीडियो सामने आया है। उन्होंने पनकी थाना प्रभारी को मामले की जांच के आदेश दे दिए तथा उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह के एक्सपायरी (समयावधि पार) खाद्य पदार्थ खाने से किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा हो सकता है। जांच पूरी होने के बाद मामले में उचित धाराओं के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की जाएगी।

एआरटीओ कार्यालय में छापा, 11 संदिग्ध दलाल पकड़े गए

डीएम के निर्देश पर प्रशासन-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, नकदी और अभिलेखों के मिलान में भी मिलीं विसंगतियां

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। एआरटीओ कार्यालय में दलालों की सक्रियता और भ्रष्टाचार की शिकायतों पर सोमवार को प्रशासन ने शिकंजा कस दिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर अनुभव सिंह एवं एडीसीपी दक्षिण सुमित सुधाकर राम टेके के नेतृत्व में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने एआरटीओ कार्यालय परिसर में औचक छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान कार्यालय परिसर और उसके आसपास सक्रिय मिले 11 संदिग्ध दलालों को पकड़ा गया। सभी से पूछताछ के साथ उनकी भूमिका और एआरटीओ कार्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों से संभावित कनेक्शन की जांच की जा रही है।

संयुक्त टीम अचानक एआरटीओ कार्यालय पहुंची और परिसर में मौजूद लोगों का सत्यापन शुरू करा दिया। टीम ने वाहन पंजीकरण, वाहन पोर्टल, ड्राइविंग लाइसेंस एवं सारथी पोर्टल से संबंधित सेवाओं और कार्यप्रणाली की जांच की। परिसर में संदिग्ध रूप से मौजूद व्यक्तियों से उनके वहां आने का कारण और उनके द्वारा कराए जा रहे कार्यों के संबंध में पूछताछ की गई। इसी दौरान 11 संदिग्ध दलाल चिन्हित किए गए।

अब यह पता लगाया जा रहा है कि वे आवेदकों के संपर्क में कैसे आते थे और कार्यालय में किस तरह उनके काम कराते थे। पुलिस संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

कार्रवाई सिर्फ संदिग्ध दलालों की धरपकड़ तक सीमित नहीं रही। टीम ने वाहन पंजीकरण, स्वामित्व अंतरण, कर एवं शुल्क, वाहन फिटनेस, परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस, लर्नर लाइसेंस और ड्राइविंग टेस्ट से जुड़े रिकॉर्ड भी खंगाले। कार्यालय में उपलब्ध नकदी का रजिस्टर, शुल्क प्राप्तियों और संबंधित अभिलेखों से मिलान कराया गया। प्रारंभिक जांच में नकदी और लेखा-अभिलेखों के मिलान में कुछ विसंगतियां सामने आई हैं। संबंधित रिकॉर्ड का दोबारा मिलान कर विसंगतियों के कारण और जिम्मेदारी का पता लगाया जा रहा है।

जांच का फोकस अब इस बात पर भी है कि संदिग्ध बिचौलियों की कार्यालय के भीतर पहुंच किस स्तर तक थी और क्या उन्हें किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी का संरक्षण या सहयोग मिल रहा था। यह भी जांचा जा रहा है कि कहीं आवेदकों को निर्धारित प्रक्रिया से सीधे सेवा देने के बजाय बिचौलियों के माध्यम से काम कराने की व्यवस्था तो नहीं पनप रही थी। जांच में किसी कार्मिक की मिलीभगत सामने आने पर उसकी भूमिका की जांच कर जवाबदेही तय की जाएगी।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि नागरिकों को सरकारी सेवाएं निर्धारित प्रक्रिया, समयसीमा और तय शुल्क पर सीधे उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। एआरटीओ कार्यालय में पकड़े गए संदिग्धों की भूमिका और सामने आई विसंगतियों की गहन जांच कराई जा रही है। किसी अधिकारी-कर्मचारी की बिचौलियों से मिलीभगत अथवा वित्तीय अनियमितता सामने आई तो जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी।

छत से गिरकर युवक हुआ गंभीर रूप से घायल, हैलट किया गया रेफर

कानपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के लक्ष्मणखेड़ा गांव में रविवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में घर की छत पर सो रहा एक युवक संतुलन बिगड़ने के कारण उस समय नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया, जब वह लघुशंका जाने के लिये उठा।लक्ष्मणखेड़ा निवासी सौरभ पुत्र रामप्रकाश रविवार रात घर की छत पर सोया हुआ था। बताया जाता है कि देर रात करीब वह लघुशंका के लिए उठा, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से वह सीधे छत से नीचे जा गिरा। गिरने की तेज आवाज सुनकर परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में उसे सीएचसी भीतरगांव ले गए।सीएचसी भीतरगांव में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे कानपुर के हैलट अस्पताल (जिला अस्पताल) रेफर कर दिया गया।साढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार मिश्रा ने बताया कि युवक के छत से गिरने की सूचना प्राप्त हुई थी। घायल युवक को बेहतर इलाज के लिए कानपुर अस्पताल ले जाया गया है।

तिब्बत-नेपाल सीमा पर 'लेवल-4' अलर्ट

20 लाख घन मीटर पानी वाली झील टूटने का खतरा

ग्लेशियर टूटने के बाद मचा तबाही का सैलाब

» बीपीएस न्यूज

काठमांडू। तिब्बत-नेपाल सीमा पर अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के बाद चीन ने 'लेवल-4' अलर्ट जारी किया है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि दो नदियों के संगम के पास बनी एक नई 'अवरोधक झील' के टूटने का खतरा बढ़ गया है। इसके टूटने की स्थिति में बाढ़ का पानी तेजी से नीचे की ओर बह सकता है और चीन-नेपाल सीमा पर स्थित गिरोंग पोर्ट समेत आसपास के निचले इलाकों में भारी तबाही मचा सकता है।

अवरोधक झील उस जलाशय को कहा जाता है, जो किसी प्राकृतिक रुकावट के कारण नदी या जलधारा का रास्ता बंद होने से बनता है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने बृहस्पतिवार रात तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू की। मंत्रालय ने छोचेन खोला और पुरेपु त्संगपो नदियों के संगम के पास बनी झील से उत्पन्न खतरे को लेकर स्थानीय अधिकारियों को सतर्क किया है। दोनों नदियां तिब्बत से निकलती हैं और नेपाल में भोटे कोशी नदी की धारा का हिस्सा हैं।चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह तक अवरोधक झील में अनुमानित 20 लाख घन मीटर पानी जमा हो चुका था। लगातार बारिश के पूर्वानुमान के कारण अगले तीन दिनों में झील में पानी का प्रवाह करीब 30 लाख घन मीटर तक पहुंचने की आशंका है। इससे झील के टूटने का खतरा और बढ़ गया है।अधिकारियों को आशंका है कि झील टूटने पर पानी और मलबे का तेज बहाव निचले इलाकों की ओर आ सकता है। इससे गिरोंग पोर्ट और आसपास के क्षेत्रों में भारी नुकसान होने की आशंका है।जल संसाधन मंत्रालय ने स्थानीय अधिकारियों को झील और बारिश की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने, मौसम एवं जल प्रवाह के पूर्वानुमान को बेहतर बनाने तथा जोखिम का आकलन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संभावित रूप से प्रभावित होने वाले निचले इलाकों और वहां रहने वाले लोगों की सटीक पहचान करने को कहा गया है।

चीन ने तिब्बत के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव अभियान के लिए सैटेलाइट और ड्रोन तैनात किए हैं। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने प्रभावित क्षेत्र की आपातकालीन तस्वीरें लेने के साथ पुरानी तस्वीरें जुटाने का काम शुरू किया है।अब तक संबंधित विभागों को आपदा के आकलन और राहत कार्यों में मदद के लिए आपदा से पहले की पांच और आपदा के बाद की 10 तस्वीरें उपलब्ध कराई गई हैं।इलाके का व्यापक हवाई सर्वेक्षण करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कैमरों से लैस 'विंग लोंग' ड्रोन भी तैनात किया गया है। बचावकर्मी छोटे ड्रोन का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। इनके जरिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का वास्तविक समय में 3डी मॉडल तैयार किया जाएगा। इससे नियंत्रण केंद्र को प्रभावित क्षेत्र की स्थिति समझने और प्राथमिकता के आधार पर तलाशी वाले इलाकों को चिन्हित करने में मदद मिलेगी। ड्रोन की मदद से घने जंगलों और कीचड़ में समा चुके इलाकों में लापता लोगों की तलाश भी की जा रही है।चीन के अनुसार, 26 अगस्त को तिब्बत-नेपाल सीमा के पास गिरोंग काउंटी के गिरोंग पोर्ट में अचानक आई बाढ़ के बाद 558 लोग लापता हो गए थे। इनमें कई विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। हालांकि, अवरोधक झील के खतरे के कारण राहत और बचाव अभियान प्रभावित हो रहा है।सरकारी इंजीनियरिंग एवं बचाव कंपनी 'चीन अन्वोंग' की आठ सदस्यीय अग्रिम टीम संचार और खोज उपकरणों के साथ बृहस्पतिवार को गिरोंग काउंटी पहुंची। टीम नदी के ऊपरी हिस्से में बने अवरोध से संबंधित आंकड़े जुटाएगी।मौके पर मौजूद बचावकर्मियों के अनुसार, पोर्ट से करीब तीन किलोमीटर दूर नदी के ऊपरी हिस्से में जमा मलबे को सुरक्षित तरीके से हटाने से पहले अवरोधक झील से पैदा हुए खतरे को नियंत्रित करना जरूरी है।

» अब तक 469 लोगों की मौत, तीसरे दिन भी तलाश एवं बचाव अभियान जारी

» आठ जिलों से बरामद हुए शव; 1,545 घायलों और फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला गया, 7,451 सुरक्षाकर्मी राहत अभियान में जुटे

मध्य नेपाल में बुधवार को आई अचानक बाढ़ और मलबे के सैलाब में मरने वालों की संख्या बढ़कर 469 हो गई है। आपदा के तीसरे दिन शुक्रवार को भी प्रभावित इलाकों में तलाश और बचाव अभियान जारी रहा। अभियान के दौरान कई और शव बरामद किए गए।

नेपाल पुलिस के अनुसार, अब तक आठ जिलों से शव बरामद किए गए हैं। इनमें चितवन से 178, नवलपरासी पूर्व से 110, गोरखा से 44, नुवाकोट से 37 और धादिंग से 33 शव शामिल हैं। इसके अलावा तनाहू से 28, नवलपरासी पश्चिम से 27 और रसुवा से 12 शव बरामद किए गए हैं।पुलिस के मुताबिक, आपदा प्रभावित इलाकों से अब तक 1,545 घायलों और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। इनमें से 84 लोगों का काठमांडू के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।तलाश एवं बचाव अभियान में नेपाल सेना,

पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के 7,451 सुरक्षाकर्मी जुटे हुए हैं। इनमें नेपाल सेना के 2,391 जवान शामिल हैं। सुरक्षाकर्मी मलबे में फंसे लोगों की तलाश के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य कर रहे हैं।नेपाल-तिब्बत सीमा के पास ग्लेशियर ढहने के बाद बर्फ और चट्टानों का भारी मलबा तेजी से नीचे की ओर आया। इसके बाद बुधवार को पानी, कीचड़ और मलबे का तेज बहाव मध्य नेपाल के कई इलाकों में फैल गया।

कुशीनगर में गंडक नदी के किनारे नेपाल की बाढ़ के निशान

बहकर पहुंचे गैस सिलिंडर और घरेलू सामान

» नदी किनारे जमा हुईं लकड़ियां और घरेलू वस्तुए

» महराजगंज में भी बाढ़ की आशंका से ग्रामीणों में चिंता

» बीपीएस न्यूज

कुशीनगर। नेपाल में आई भारी बाढ़ का असर अब भारत के सीमावर्ती इलाकों में भी दिखाई देने लगा है। कुशीनगर के खड्डा क्षेत्र में गंडक नदी के किनारे बृहस्पतिवार सुबह पानी के साथ बहकर आए घरेलू सामान मिलने से लोगों में चिंता बढ़ गई।

छितौनी तटबंध के भैसहा, मदनपुर, हनुमानगंज, लक्ष्मीपुर पड़रहवां और माघी भगवानपुर के पास ग्रामीणों ने नदी किनारे लकड़ियों के बीच गैस सिलिंडर, टायर, मोबिल का ड्रम, अलमारी और घर-गृहस्थी का अन्य सामान देखा। ग्रामीणों ने नदी किनारे पहुंचकर इन सामानों को बाहर निकाला।

नदी के साथ बहकर पहुंचे इन सामानों ने नेपाल में आई बाढ़ की गंभीरता की ओर इशारा किया है। हालांकि, इन वस्तुओं के वास्तविक स्रोत और बाढ़ में इनके बहने की परिस्थितियों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार नदी में लकड़ियों और घरेलू सामान का इस तरह पहुंचना असामान्य स्थिति को दर्शाता है।ग्रामीणों का कहना है कि नदी के किनारे मिले सामान को देखकर नेपाल के प्रभावित इलाकों में रहने वाले परिवारों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उनके मुताबिक, बाढ़ के दौरान लोगों को अचानक सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा होगा। यही वजह है कि नदी के बहाव के साथ घरेलू उपयोग की वस्तुएं दूर तक पहुंच गईं।

नेपाल में आई बाढ़ के बाद त्रिशूला नदी के रास्ते गंडक नदी में पानी और मलबा आने से महराजगंज जिले के सोहगीबरवा, शिकारपुर और भोथहा गांवों में भी चिंता बढ़ गई। बुधवार शाम से इन गांवों की हजारों की आबादी के बीच बाढ़ की आशंका को लेकर चर्चा तेज हो गई।

बरेली में साड़ी वितरण कार्यक्रम में मची भगदड़, एक महिला की मौत, कई लोग घायल

» 45 वर्षीय मधु सिंह की तबीयत बिगड़ी

» साड़ी लेने के दौरान बढ़ा भीड़ का दबाव

» परिवार को मिले थे 15 पास

» अस्पताल में जानकारी मिलने में देरी का आरोप

» बीपीएस न्यूज

बरेली। रक्षाबंधन से पहले बरेली क्लब मेला मैदान में आयोजित साड़ी वितरण कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार को बड़ी संख्या में महिलाओं की भीड़ जुटने के बाद अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। कार्यक्रम के दौरान अचानक भीड़ का दबाव बढ़ने और बारिश होने के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति पैदा हो गई। इस घटना में एक महिला की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें उपचार के लिए मिशन अस्पताल ले जाया गया। बाद में उनकी मौत की जानकारी सामने आई। हादसे में कई अन्य लोगों के घायल होने की भी बात कही जा रही है।

यह कार्यक्रम बरेली के महापौर डॉ. उमेश गौतम और उनके बेटे पार्थ गौतम फाउंडेशन की ओर से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं को साड़ी वितरित करना बताया गया। हालांकि, आयोजन स्थल पर अपेक्षा से अधिक संख्या में महिलाओं के पहुंचने के कारण व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार्यक्रम में सुबह से ही बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचने लगी थीं। जैसे-जैसे साड़ी वितरण शुरू हुआ, महिलाओं की संख्या और भीड़ का दबाव बढ़ता गया। इसी दौरान बारिश होने से स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई। साड़ी प्राप्त करने की कोशिश में भीड़ एक स्थान पर अधिक एकत्रित हो गई, जिससे धक्का-मुक्की जैसी स्थिति बनने लगी।

बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के लिए बनाए गए पंडाल में अचानक अफरा-तफरी मच गई। कई महिलाएं घबराकर वहां से निकलने की कोशिश करने लगीं। मौके पर बड़ी संख्या में चप्पलें छूट गईं, जिससे कार्यक्रम स्थल पर मची अव्यवस्था का अंदाजा लगाया गया। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी पहलुओं की आधिकारिक जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

हादसे के दौरान पुराना शहर क्षेत्र के चंद्रगुप्तपुरम, थाना बारादरी निवासी मधु सिंह की तबीयत बिगड़ गई। उनकी उम्र करीब 45 वर्ष बताई जा रही है। उन्हें तत्काल उपचार के लिए मिशन अस्पताल ले जाया गया। बाद में उनकी मौत की सूचना सामने आई।

घटना के बाद मधु सिंह के परिवार में मातम छा गया। शुरुआती दौर में देर रात तक उनकी मौत की आधिकारिक पुष्टि को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं थी। हालांकि, परिजनों की ओर से उनकी मौत की जानकारी दी गई।

मधु सिंह के भांजे और भाजपा पूर्वी मंडल अध्यक्ष राजा तोमर के अनुसार, वह सुबह करीब 10 बजे अपनी मामी को कार्यक्रम स्थल पर छोड़कर स्कूल ऑटो चलाने चले गए थे। उन्होंने बताया कि मधु सिंह के साथ मोहल्ले की कुछ अन्य महिलाएं भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंची थीं।राजा तोमर के अनुसार, महापौर की ओर से उनके परिवार को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए करीब 15 पास मिले थे। इन्हीं में से एक पास लेकर मधु सिंह कार्यक्रम स्थल पर पहुंची थीं। परिवार का कहना है कि उन्होंने कार्यक्रम में प्रवेश पास के माध्यम से किया था।मधु सिंह के पति भगवान सिंह के सेना से सेवानिवृत्त होने की बात भी परिजनों की ओर से कही गई है। परिवार के अनुसार, मधु सिंह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सामान्य रूप से घर से निकली थीं, लेकिन बाद में उनकी तबीयत बिगड़ने की सूचना मिली।घटना के बाद मृतका के परिजनों ने अस्पताल में जानकारी मिलने में कथित देरी को लेकर सवाल उठाए हैं।

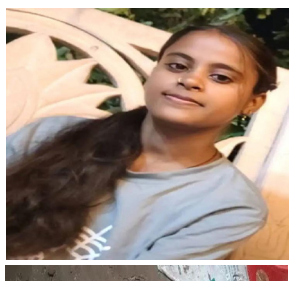

आंगन धंसने में समा गई युवती 25 फीट नीचे मिली लाश

» करीब 8 घंटे की मशक्कत के बाद बरामद हुआ शव, गांव में मचा हड़कंप

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र के पुरवामीर गांव में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब आंगन की जमीन अचानक धंसने से 18 वर्षीय युवती गहरे गड्ढे में समा गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि परिवार के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही युवती जमीन के भीतर चली गई। सूचना मिलते ही पुलिस, एनडीआरएफ और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए और लगातार कई घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाया गया। करीब 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद युवती का शव बाहर निकाला जा सका। बताया गया कि युवती रक्षाबंधन की तैयारियों में जुटी थी। वह बाथरूम से बाहर निकलकर आंगन में कजलिया प्रवाहित करने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान अचानक उसके पैरों के नीचे की जमीन धंस गई और वह देखते ही देखते बने गहरे गड्ढे में समा गई। हादसे के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर जमा हो गए।स्थानीय लोगों के मुताबिक जिस स्थान पर जमीन धंसी, उसके आसपास बोरवेल भी मौजूद था। जमीन के भीतर अचानक खाली जगह बनने के कारण मिट्टी धंसने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि जमीन धंसने का वास्तविक कारण क्या था, इसका पता जांच के बाद ही चल सकेगा। हादसे की सूचना पुलिस और प्रशासन को दी गई, जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया।रेस्क्यू टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि जमीन लगातार धंसने का खतरा बना हुआ था। ऐसे में बिना सावधानी के खुदाई करने पर बचाव अभियान में लगे लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती थी। टीमों ने सुरक्षित तरीके से आसपास की मिट्टी हटाने का काम शुरू किया और काफी देर तक गड्ढे की गहराई तथा जमीन की स्थिति का आकलन किया गया।घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। हर कोई युवती के सुरक्षित बाहर निकलने की उम्मीद लगाए हुए था।

नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी, एक ही सिरिंज से कई लोग ले रहे ड्रग्स

» बीपीएस न्यूज

हाजीपुर के तेरसिया दियारे में स्वास्थ्य संकट खड़ा हो गया है। शराबबंदी के बाद इलाके में ड्रग्स का कारोबार तेजी से फैला और अब ड्रग्स को सिरिंज के साझा इस्तेमाल ने पूरे क्षेत्र को ।ढ्ढड्ढ का 'डेंजर जोन' बना दिया है। महज डेढ़ महीने के भीतर लगाए गए स्वास्थ्य शिविरों में 100 से अधिक लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। सबसे डरावना सच यह है कि इनमें 12 वर्ष के मासूम बच्चों से लेकर 35 वर्ष तक के युवा शामिल हैं।

तेरसिया दियारे के युवा 'कोटा' नामक ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं। नशा करने का तरीका बेहद जानलेवा है, युवा पहले इस पाउडर ड्रग्स को पानी में घोलते हैं, फिर 4 से 5 लोग एक ही सिरिंज में भरकर थोड़ा-थोड़ा अपनी नसों में इंजेक्ट करते हैं। इस नशा को लेने के बाद शरीर में उठने वाले असहनीय दर्द और एलर्जी से बचने के लिए वे उसी संक्रमित सुई से दर्द निवारक और एलर्जीरोधी

इंजेक्शन भी लेते हैं। इस साझा इस्तेमाल ने पूरे इलाके में एचआईवी संक्रमण की एक अटूट साइलेंट चेन बना दी है।

कुल संक्रमितों में से 60 प्रतिशत से अधिक केवल 20 से 25 वर्ष की उम्र के युवा हैं। स्व. कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान ने 6 महीने पहले 12 संदिग्धों के सैंपल लिए थे, जिनमें 8 पॉजिटिव मिले। इसके बाद बड़े पैमाने पर लगे कैंपों में यह आंकड़ा 100 के पार चला गया। मामला बढ़ने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने आनन-फानन में 12 जुलाई तक 77 मरीजों की एआरटी दवाएं शुरू करवाई थी।

आपको बता दें, कुछ पीड़ितों ने अपनी आपबीती सुनाई। जिसमें 16 साल के एक युवक ने बताया कि 'मैं गाड़ी चलाकर महीने के 1 लाख तक कमा लेता था। गांव के लड़कों की संगति में ड्रग्स की लत लगी। पैसे खत्म हुए तो गाड़ी बेच दी। एक ही सुई से नशा लेने के कारण मुझे एचआईवी हो गया और मुझसे मेरी पत्नी भी संक्रमित हो गई। 16 की उम्र में जिंदगी बर्बाद हो चुकी है।' वहीं दूसरे पीड़ित ने कहा कि 'गांव में नशा इतना फैल चुका है कि अगर हर घर की जांच हो, तो 1-2 एचआईवी मरीज जरूर मिलेंगे। हम ड्रग्स और एविल घोलकर नस में ले लेते थे। अब डर भी लगता है और जीना भी चाहता हूं, लेकिन लत छूट नहीं रही।'

कानपुर में उड़ान के दौरान ट्रेनिंग विमान हुआ क्रैश

» पायलट और ट्रेनी दोनो की हुई मौत, ध्वस्त करेगी मामले की जांच

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में गुरुवार को एक घटना घटित हुई। एक ट्रेनी विमान उड़ान भरने के महज 20 मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुखद दुर्घटना में पायलट और ट्रेनी दोनो की ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दोपहर 12ः15 बजे पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और इलाके को तुरंत सील कर दिया।

जानकारी के अनुसार चकेरी स्थित 'गर्ग एविएशन ट्रेनिंग सेंटर' से उड़ान भरने वाला एक 4-सीटर 'टेक्नम' ट्रेनिंग विमान गंगा बैराज के पास नत्थापुरवा गांव में क्रैश हो गया। हादसे में विमान सवार इंस्ट्रक्टर पायलट और ट्रेनी दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।

कानपुर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के अनुसार, विमान ने सुबह 11ः30 बजे उड़ान भरी थी। टेकऑफ के महज 20 मिनट बाद, यानी सुबह 11ः50 बजे, जमीन से करीब 100 फीट की ऊंचाई पर विमान का संतुलन बिगड़ गया। विमान हवा में डगमगाते हुए पेड़ों से टकराया और एक तेज धमाके के साथ नीचे जा गिरा।घटना की सूचना मिलते ही दोपहर 12ः15 बजे

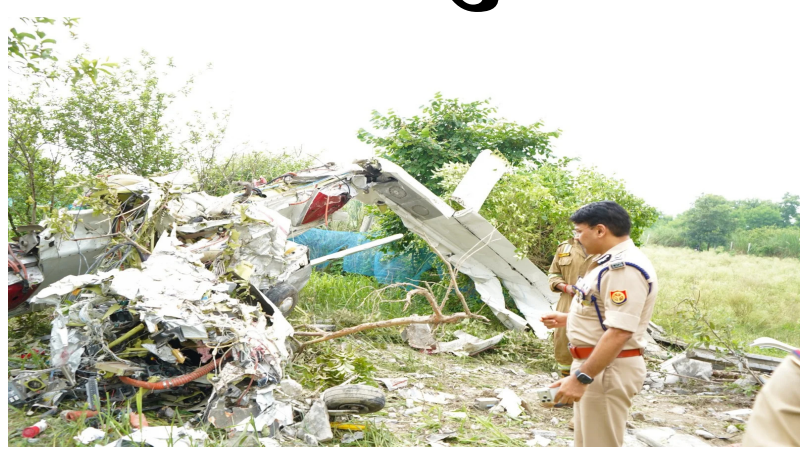

पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और इलाके को तुरंत सील कर दिया। मलबे से खून से लथपथ पड़े दोनों घायलों को टॉक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि सचिन भाटिया जो गुजरात के रहने वाले थे तथा इनके पास 3,000 घंटे का फ्लाइंग अनुभव तथा और अभिषेक पुजारी जो ट्रेनी थे तथा कर्नाटक के रहने वाले थे, उनकी मौत हो गई।पुलिस कमिश्नर के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त 'टेक्नम' विमान को साल 2023 में ट्रेनिंग के लिए लाया गया था। घटना की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) को दे दी गई है। DGCA की टीम मौके पर पहुंचकर हादसे के तकनीकी कारणों की विस्तृत जांच करेगी।

वामपंथी दलों के बैनर तले जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर सहित विभिन्न ज़िलों में वामपंथी दलों, जन संगठनों के नेताओं, कार्यकर्ताओं का निजी डेटा पुलिस द्वारा जुटाने तथा प्रदेश को सर्विलांस स्टेट (निगरानी राज्य) बनाने के खिलाफ कानपुर में संयुक्त वामपंथी दलों के बैनर तले जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर उनके माध्यम से मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया।जिसमें मांग की गई है कि वामपंथी दलों, जन संगठनों के नेताओं, कार्यकर्ताओं का निजी डेटा / विवरण जुटाने की पुलिस प्रशासन की अलोकतांत्रिक कार्रवाइयों पर तत्काल रोक लगाने के साथ उनको बेवजह परेशान करना बंद किया जाए।

बाबा बड़े दयालू हैं ओम नमः शिवायः बाबा बड़े दयालू हैं
बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स
हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्ररीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।
(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)
24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइलः-9839625941)

श्याम मिल्क प्रोडक्ट डेयरी
हमारे यहाँ शुद्ध दूध, दही, पनीर, खोया, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध मिठाई उतिच मूल्य पर उपलब्ध है।
राजू राजपूत
मो. 9839909008
पता- 51 द्विवेदी नगर, तौधकपुर रोड, समाधि पुलिया, नौबस्ता कानपुर

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सही चुनाव...
CARE-TEX®
OUR MISSION IS PATIENT CARE
30 YEARS of EXCELLENCE
दर्द कम... जीवन खुशहाल...
आपके स्वस्थ जीवन का साथी
अब पाएं Care-Tex के उच्च गुणवत्ता वाले ऑर्थोपेडिक व फिजियोथेरेपी सपोर्ट प्रोडक्ट्स हमारे यहाँ
बेहतरीन क्वालिटी
टिकाऊ और आरामदायक
डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित
हर उम्र के लिए उपयोगी
वाजिब दाम, भरोसेमंद सेवा
अरुण कुमार अस्थाना
जय अंबे ट्रेडर्स
Wrist Band (Thumb Support)
Shoulder Immobilizer (Extra Support)
Harsons ELECTRIC BACK REST
Lumbo Sacral Belt (Contour)
हमारे उपलब्ध अन्य प्रमुख प्रोडक्ट्स
Knee Cap
Ankle Support
Elbow Support
Cervical Collar
Arm Sling
Wrist Support
Posture Belt
Finger Support
दर्द से राहत बेहतर समर्थन
उच्च गुणवत्ता
वाजिब दाम बेहतर सेवा
डॉक्टरों की पहली पसंद
30 वर्षों का विश्वास
Caretex कार्यालय 19/174, पटकापुर, कानपुर
संपर्क करें 9936442547, 7705800400
★★★ आपकी सेहत... हमारी प्राथमिकता | Care-Tex – मरीजों की देखभाल ही हमारा लक्ष्य ★★

अकाना होम डेवलपर्स लाया है अब आपके शहर कानपुर व उन्नाव में आसान व मासिक किस्तों पर
AKANA HOME DEVELOPERS
तुरन्त रजिस्ट्री तुरन्त कब्जा लें
बिना ब्याज के
अकाना होम डेवलपर्स
आवासीय प्लाट
हमारी साईट :
पाली
मंझावन
रमईपुर
सेन पश्चिम पारा
नौबस्ता आवास विकास
जाजमऊ गंगापुर
पता- 34, सुभाष कॉम्पलेक्स, मधुलोक हॉस्पिटल चौराहा, नौबस्ता, कानपुर नगर
Mob. : 9000531538

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर
महेंद्र पटेल प्रबंधक
माधुरी पटेल डायरेक्टर
55ML 100ML 130ML 90ML 150ML +2
पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें
9919772233 7985401046
पताः- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

Sahu Ji Maharaj Restaurant
Since:1992
राजसी ठाट देसी अंदाज़
638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर (निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)
M: 8303637506
9792526852

सोशल साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'ओये चिल मार' 25 सितंबर को रिलीज होगी.!

तुलसीराम प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले निर्मित हिंदी सोशल साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'ओये चिल मार' का टीजर और ट्रेलर, मेकर्स द्वारा पिछले दिनों मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित रेड बल्ब स्टूडियो में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान जारी कर दिया गया। इस समारोह में फिल्म की पूरी कास्ट एवं क्रू के साथ बॉलीवुड और मनोरंजन जगत से जुड़े कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सामाजिक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर के रूप में प्रस्तुत की जा रही इस फिल्म का निर्देशन और संपादन नितिन एम. रोकड़े ने किया है। नितिन रोकड़े इससे पहले कई चर्चित फिल्मों का संपादन कर चुके हैं। बतौर निर्देशक 'ओए चिल मार' उनकी पहली फिल्म है। फिल्म की कहानी अरविंद यादव और नितिन रोकड़े ने लिखी है। फिल्म का संगीत असलम केई ने तैयार किया है, जबकि गीत ईश्वरी फ्रांसिस ने लिखे हैं। इस फिल्म के पी आर ओ वरिष्ठ प्रचारक समरजीत और वेदांत मिश्रा हैं। फिल्म में नवोदित अभिनेता तेजस देव मुख्य भूमिका में हैं, जबकि शिखा पांडेय नायिका की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कास्ट में श्रेया पारेख, अतुल तिवारी, मोना शर्मा, प्राची बंसल, सुजीत अस्थाना, प्रशांत मोहिते और 'ना तेलुगोडु' फेम सूफिया तनवीर सहित अन्य कलाकार शामिल हैं। 'ओए चिल मार' 25 सितंबर को देशभर के सभी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

सावधान: नकली पनीर से बढ़ सकता है Heart Disease का खतरा

पनीर से बनी हुई हर एक डिश हम सबको काफी पसंद होती है, लेकिन बाजार में मिलने वाली पनीर में काफी मिलावट देखने को मिलती है। त्योहारों के समय पनीर में सबसे ज्यादा मिलावट की जाती है। वैसे पनीर प्रोटीन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन मार्केट में मिलने वाला पनीर असली दूध से बना हुआ हो, यह जरुरी नहीं है।

आजकल एनालॉग पनीर को लेकर कई राज्यो में सख्ती देखने को मिल रही है। एनलॉग पनीर पारंपरिक दूध से बने पनीर के बजाय दूसरे गैर-डेयरी फैट, स्टार्च और अन्य सामग्री से तैयार किया जाता है।

यह साफ स्पष्ट किया है कि एनलॉग को पनीर के नाम से बेचना नियमों का उल्लंघन है। इस समय उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर के खिलाफ कार्रवाई और प्रतिबंध की खबरें सामने आई है।

इस लेख में हम आपको बताएंगे कि एनालॉग पनीर क्या है, असली पनीर से यह कैसे अलग है और इसे खाने को लेकर चिंता क्यों जताई जा रही है। आइए जानते हैं एनालॉग पनीर से जुड़े 5 बड़े नुकसान और इससे बचने के तरीके।

क्या है एनालॉग पनीर?

एनालॉग पनीर एक ऐसी चीज है जो

एकदम पनीर की तरह दिखती है और इस्तेमाल भी होता है, लेकिन इसमें दूध के जगह पर वनस्पति फैट, स्टार्च या दूसरे गैर-डेयरी तत्वों का इस्तेमाल किया जा सकता है। जब लोगों को इस एनलॉग पनीर को असली पनीर बताकर बेचा जाता है। वहीं, स्वास्थ्य ने इस तरह की गलत लेबलिंग करने पर सख्ती दिखाई है।

एनालॉग पनीर खाने के नुकसान

असल में एनालॉग पनीर में दूध की जगह अलग तरह का वसा, स्टार्च और दूसरी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह के उत्पाद हर व्यक्ति के लिए आसानी से पचने वाले नहीं है, यह जरुरी नहीं है। अगर आप इसको अधिक मात्रा में सेवन करते हैं, तो कुछ लोगों को पेट में भारीपन, गैस, पेट फूलना, अपच या एसिडिटी जैसी परेशानियों से जूझना पड़ सकता है। यदि आप इसे तले-भुने या मसालेदार खाने के साथ खाएंगे, तो पाचन समस्या बढ़ जाएगी।

ज्यादा वसा और कैलोरी

गौरतलब है कि एनलॉग पनीर को बनाने में वनस्पति वसा का इस्तेमाल किया जाता है। प्रोडक्ट में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और उसकी मात्रा के आधार पर इसमें वसा और कैलोरी की मात्रा अलग-अलग हो सकती है। यदि कोई व्यक्ति इसे नियमित रुप से अधिक मात्रा में सेवन करता है, तो इसकी कुल कैलोरी और वसा की खपत बढ़ सकती है। खरीदते समय पैकेट पर पोषण संबंधी जानकारी और सामग्री जरुर चेक करें।

पोषण की कमी

पनीर दूध से बनाया जाए, तो इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। लेकिन एनालॉग पनीर का पोषण प्रोफाइल इसमें इस्तेमाल की गई सामग्री पर निर्भर करता है। इसलिए एनलॉग पनीर को हमेशा असली दूध से बने पनीर के बराबर पोषण वाला प्रोडक्ट नहीं माना जाता है। इसलिए भूलकर भी एनलॉग पनीर को अपनी डाइट में शामिल न करें।

दिल की सेहत को लेकर चिंता

गौरतलब है कि एनालॉग पनीर में सबसे अधिक वसा की मात्रा पाई जाती है। यदि किसी व्यक्ति के भोजन में पहले से ही संतृप्त वसा की मात्रा ज्यादा है और वह लंबे समय तक ऐसे खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन न करे, जिससे हृदय-स्वस्थ पर असर देखने को मिलेगा। इसलिए एनालॉग पनीर को नियमित रुप से सेवन न करे, उसमें पाए जाने वाले वसा का मात्रा और खाने की मात्रा पर ध्यान जरुर दें।

खाद्य सुरक्षा का जोखिम

दरअसल, एनालॉग पनीर को लेकर ग्राहकों को इतनी जानकारी नहीं होती है। वहीं, सही जानकारी

ग्राहक को दी नहीं जाती है या उत्पाद खाद्य सुरक्षा मानको के मुताबिक तैयार और सुरक्षित तरीके से संग्रहित नहीं किए जाते हैं। गलत तरीके से रखे गए खाद्य पदार्थ में दूषित होने का खतरा

अधिक देखने को मिलता है। इसलिए बिन लेवल, संदिग्ध गुणवत्ता या अनजान स्रोत से मिलने वाले पनीर खरीदने से बचें। जब आप पैकेट वाला पनीर लें, तो एक बार सामग्री, निर्माण तिथि, समाप्ति तिथि और एफएसएसएआई से संबंधित जानकारी जरुर जान लें।

जब द्रौपदी ने श्रीकृष्ण को बांधा था रक्षा सूत्र

फिर भगवान ने निभाया अपना वचन

» रक्षाबंधन सिर्फ भाई-बहन का त्योहार नहीं, इन पौराणिक कथाओं में छिपा है रक्षा सूत्र का असली अर्थ

» बीपीएस न्यूज

रक्षाबंधन को आमतौर पर भाई-बहन के प्यार, भरोसे और सुरक्षा के त्योहार के तौर पर देखा जाता है। बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है और भाई उसकी रक्षा का वचन देता है। भारतीय परंपरा में इस पर्व का अर्थ केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं रहा। पौराणिक कथाओं और लोक मान्यताओं में ऐसे कई कहानियां मिलती हैं, जिसमें सुरक्षा, विश्वास और समर्पण का संदेश मिलता है।

महाभारत से जुड़ी लोकप्रिय कथा के अनुसार, एक बार भगवान श्रीकृष्ण की उंगली में चोट लगने से खून बहने लगा। द्रौपदी ने बिना देर किए अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़कर उनकी उंगली पर बांध दिया। इस स्नेह और समर्पण से कृष्ण भावुक हुए व उन्होंने द्रौपदी की रक्षा का संकल्प लिया। ऐसा कहा जाता है कि जब कौरव सभा में द्रौपदी के चीरहरण का प्रयास हुआ, तब भगवान कृष्ण ने इसी वचन को निभाते हुए द्रौपदी की लाज बचाई थी।

इंद्राणी ने इंद्र को बांधा रक्षा सूत्र

एक अन्य पौराणिक कथा देवताओं और असुरों के युद्ध से जुड़ी है। इंद्रदेव और इंद्राणी की कथादेवताओं व असुरों के युद्ध में देवराज इंद्र संकट में आ गए थे। इंद्र की पत्नी इंद्राणी ने गुरु बृहस्पति के सलाह पर एक पवित्र रक्षा सूत्र तैयार किया। इंद्राणी ने वह रक्षा सूत्र इंद्र की कलाई पर बांधा, जिससे इंद्रदेव को युद्ध में विजय मिली।

संतोषी मां के जन्म से जुड़ी मान्यता

रक्षाबंधन से जुड़ी एक लोकप्रचलित कथा भगवान गणेश के पुत्रों शुभ और लाभ से संबंधित है। कहा जाता है कि दोनों ने भी राखी बांधने की इच्छा जताई। उनकी इच्छा पूरी करने के लिए संतोषी मां का प्राकट्य हुआ और उन्होंने शुभ-लाभ को राखी बांधी।

कर्णावती और हुमायूं की कहानी

इतिहास में राखी से जुड़ी रानी कर्णावती और हुमायूं की कहानी भी सुनने को मिलती है। दरअसल, रानी कर्णावती और हुमायूंचित्तौड़ की रानी कर्णावती ने मुगल बादशाह हुमायूं को राखी भेजी और उसे अपना भाई बनाया था। हुमायूं ने राखी की लाज रखते हुए रानी कर्णावती की रक्षा की थी। इन दोनों का तो धर्म भी अलग था और ना ही दोनों भाई-बहन थे, लेकिन फिर भी उन्होंने उस रक्षा सूत्र का महत्व समझा।

अकोढ़ी में चार दिवसीय कजरी मेले का आगाज, सज उठा पातालेश्वर धाम

कजरी तालाब में महिलाएं करेंगी कजरियों का विसर्जन, दंगल और झूले रहेंगे आकर्षण का केंद्र

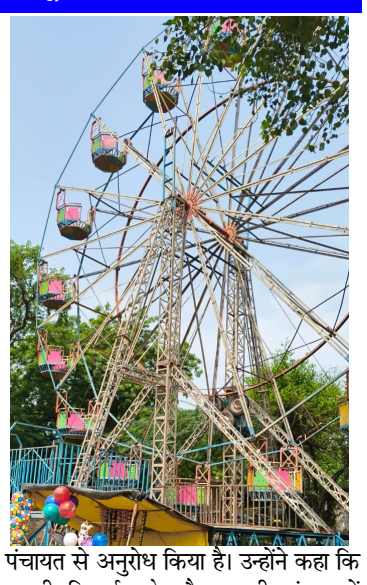

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। विकासखंड मलासा के अकोढ़ी गांव स्थित प्रसिद्ध पातालेश्वर धाम मंदिर परिसर में शनिवार से चार दिवसीय पारंपरिक कजरी मेले का शुभारंभ हो गया। मेले को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारियां चल रही थीं। शुक्रवार को ही दूर-दराज से पहुंचे दुकानदारों ने दुकानें सजानी शुरू कर दी थीं। शनिवार को मेला शुरू होते ही परिसर में चहल-पहल बढ़ गई।

बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले लगाए गए हैं, वहीं विभिन्न प्रकार की दुकानें भी सज गई हैं।

परंपरा के अनुसार श्रावण मास की अमावस्या को ग्रामीण अपने घरों में कजरियां बोते हैं। रक्षाबंधन के एक दिन बाद महिलाएं घरों में बोई गई कजरियां लेकर पातालेश्वर धाम पहुंचती हैं। पूजा-अर्चना के बाद ढोल-ताशों के साथ भक्ति गीत गाते हुए महिलाएं कजरियां लेकर मंदिर के पास स्थित कजरी तालाब पहुंचती हैं, जहां विधि-विधान से कजरियों का विसर्जन किया जाता है। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं और श्रद्धालु शामिल होते हैं।

चार दिवसीय मेले में तीन दिवसीय दंगल समेत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दंगल देखने के लिए आसपास के गांवों के अलावा दूर-दराज से भी लोग पहुंचेंगे। मेले में झूले, खिलौने, खानपान और घरेलू सामान की दुकानें लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मंदिर के महंत अनमोलदास गिरि और ग्राम प्रधान प्रशासक मोहम्मद नफीस के सहयोग से दुकानदारों के लिए पेयजल और बिजली की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस तैनाती के लिए संबंधित अधिकारियों को सूचना दी गई है।ग्राम प्रधान प्रशासक मोहम्मद नफीस ने कजरी तालाब के घाटों की साफ-सफाई कराने के लिए एडीओ पंचायत से अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि कजरी विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं और श्रद्धालु घाट पर पहुंचेंगे। ऐसे में साफ-सफाई और उचित व्यवस्था जरूरी है, ताकि किसी को परेशानी न हो। मेले के आयोजन में हर वर्ष ग्राम प्रधान प्रशासक मोहम्मद नफीस की प्रमुख भूमिका रहती है। आयोजन को सफल बनाने में कुशल पाल सेंगर, अश्वनी, धर्मेंद्र संखवार, आलम शाकिब रजा, प्रधान पुत्र, भूरा शंखवार, राजे बाथम,सहित अन्य लोग सहयोग कर रहे हैं। वहीं दंगल के आयोजन में रेस्किरी कर्ता शब्बीर खां, फिरोज रंखा आदि का भी सहयोग रहता है।

शिक्षा चौपाल में अभिभावकों से सीधा संवाद, बढ़ेगा बच्चों का नामांकन

» न्याय पंचायत स्तर पर होगी चौपाल, निपुण भारत के लक्ष्यों से जुड़ेंगे अभिभावक, शिक्षकों के नवाचारों को मिलेगा मंच

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का नामांकन बढ़ाने और उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने नई पहल शुरू की है। नए शैक्षणिक सत्र में न्याय पंचायत स्तर पर शिक्षा चौपाल आयोजित की जाएगी। इसमें शिक्षक, अभिभावक, छात्र और स्थानीय जनसमुदाय एक मंच पर बैठकर विद्यालयी व्यवस्था, शिक्षण गुणवत्ता और बच्चों की शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर सीधे संवाद करेंगे।

शिक्षा चौपाल के जरिए अभिभावकों और विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों को कक्षा पांच तक के बच्चों के लिए संचालित निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों और उसके महत्व की जानकारी दी जाएगी। साथ ही विद्यालयों में उपलब्ध स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, शिक्षण किट और टीचिंग-लर्निंग मटेरियल के प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया जाएगा।

विभाग ने शिक्षकों को अभिभावकों से लगातार संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए पीटीएम, फोन कॉल, गृह भ्रमण और शिक्षा चौपाल जैसे माध्यमों का उपयोग किया जाएगा। विभाग का मानना है कि अभिभावकों से नियमित संवाद होने से बच्चों की स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने के साथ ही पढ़ाई के प्रति उनका रुझान भी मजबूत होगा। वहीं, शिक्षकों के नवाचारों और बेहतर शिक्षण विधियों को सामने लाने के लिए अक्टूबर में टीएलएम मेलों का आयोजन किया जाएगा। इनमें शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए शिक्षण-सहायक सामग्री और नवाचारों का प्रदर्शन किया जाएगा। उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार पाण्डेय ने बताया कि शासन के निर्देशों के क्रम में न्याय पंचायत स्तर पर शिक्षा चौपाल आयोजित की जाएगी।

इसका उद्देश्य अभिभावकों को निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों से जोड़ने के साथ विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना है। अभिभावकों से सीधे संवाद के माध्यम से बच्चों के नामांकन और नियमित उपस्थिति में सुधार लाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही शिक्षकों के नवाचारों को प्रोत्साहित करने के लिए टीएलएम मेलों का आयोजन भी कराया जाएगा।

कानपुर में महिला की मौत पर हंगामा पांच हिरासत में, पुलिस पर हमला और जाम लगाने की रिपोर्ट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । महाराजपुर थानाक्षेत्र के सलेमपुर गांव के मजरा लालूखेड़ा में महिला की मौत के बाद चकेरी एयरपोर्ट के पास हुए हंगामे और पुलिस पर पथराव के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार हंगामा करने वाले महिला और पुरुष नशे में थे।

मामले में पुलिस पर हमला, जाम लगाने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव परिजनों को सौंपा गया था। इसके बाद परिजन शव लेकर चकेरी एयरपोर्ट के पास पहुंचे और महिला की मौत को लेकर हंगामा शुरू कर दिया।

सूचना पर चकेरी, महाराजपुर, नरवल और जाजमऊ थानों की पुलिस मौके पर पहुंची थी। इसी दौरान आक्रोशित लोगों की पुलिस से झड़प हो गई और पथराव किया गया। घटना में चकेरी इंस्पेक्टर अजय मिश्रा समेत कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना है।हंगामे के बाद मौके पर पुलिस बल के साथ पीएसी भी तैनात की गई। पुलिस के पहुंचने पर कई लोग अपनी बाइक मौके पर छोड़कर भाग गए। पुलिस ने मौके पर मिली बाइकों को कब्जे में लेकर थाने भेजा है। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि मामले में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। हंगामा करने वाले महिला और पुरुष सभी शराब के नशे में थे। पुलिस पर हमला, जाम लगाने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

कानपुर मंडल में धार्मिक मार्गो के लिए 11 करोड़ का बजट

कानपुर। धार्मिक और आस्था के प्रमुख स्थलों तक पहुंचने वाले मार्गों को बेहतर बनाने की योजना के तहत कानपुर मंडल को बड़ी धनराशि मिली है। लोक निर्माण विभाग ने फर्रुखाबाद और कन्नौज की दो चालू सड़क परियोजनाओं के लिए कुल 11 करोड़ रुपये जारी किए हैं. इनमें फर्रुखाबाद की परियोजना के लिए पांच करोड़ और कन्नौज की परियोजना के लिए छह करोड़ रुपये शामिल हैं. 25 अगस्त 2026 को लोक निर्माण विभाग की ओर से जारी शासनादेश में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इन दोनों परियोजनाओं पर धनराशि जारी करने की स्वीकृति दी गई है. शासनादेश के मुताबिक धर्मार्थ मार्गों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं विकास के लिए एकमुश्त व्यवस्था योजना के तहत दोनों कार्यों पर कुल 1100 लाख रुपये यानी 11 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त की।

साहू मोटर्स लाया सबसे सस्ती और टिकाऊ 'मंत्रा ई-बाइक स्कूटी'

140 से 150 किमी माइलेज और आसान फाइनेंस की सुविधा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । शहर के नौबस्ता बाईपास (नियर मधुलोक चौराहा) स्थित 'साहू मोटर्स' शोरूम अपने ग्राहकों के लिए मंत्रा ई-बाइक स्कूटी के नए और आकर्षक मॉडल लेकर आया है।

ये गाड़ियाँ नए फीचर्स, आधुनिक तकनीक और शानदार कलर वेरिएंट्स में उपलब्ध हैं। पर्यावरण के अनुकूल और बजट में फिट बैठने वाली यह ई-स्कूटी सिंगल चार्ज में 60 किलोमीटर से लेकर 150 किलोमीटर तक का सफर तय करती है।

शोरूम के संरक्षक इंद्रजीत साहू ने बताया कि साहू मोटर्स पिछले 3 वर्षों से सफलतापूर्वक कानपुर वासियों को अपनी सेवाएं दे रहा है। यहाँ ई-बाइक स्कूटी लेड और एडवांस्ड लिथियम मैक्स बोल्ट बैटरी दोनों विकल्पों में मौजूद है।

विशेष सर्विस और स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता

इंद्रजीत साहू ने बताया कि शोरूम में ग्राहकों के लिए सर्विस की विशेष व्यवस्था की गई है,

जहाँ स्पेशलिस्ट तकनीशियनों द्वारा समय पर और गुणवत्तापूर्ण गाड़ियों की सर्विस की जाती है। इसके अलावा, ई-बाइक स्कूटी के सभी ओरिजिनल स्पेयर पार्ट्स उचित मूल्य पर हमेशा उपलब्ध रहते हैं।

इंद्रजीत साहू ने कानपुर वासियों से अपील करते हुए कहा, ÷यदि आप नई गाड़ी खरीदने की योजना बना रहे हैं या कहीं और से गाड़ी खरीद चुके हैं, तो भी एक बार साहू मोटर्स जरूर पधारें। हमारी कोशिश रहती है कि आपको सर्वोत्तम डील मिले ताकि बाद में पछतावा न हो। ग्राहकों की सुविधा के लिए आसान फाइनेंस की व्यवस्था भी उपलब्ध है।

ग्राहकों को दी जाती है पूरी पारदर्शिता और सही जानकारी

शोरूम के सेल्स मैनेजर प्रेम बाजपेई ने बताया कि शोरूम पर आने वाले हर ग्राहक को गाड़ियों के फीचर्स, बैटरी लाइफ और आफ्टर-सेल्स सर्विस की पूरी और संतोषजनक जानकारी दी जाती है। ई-बाइक स्कूटी से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए ग्राहक हेल्पलाइन नंबर 9125158769 एवं 9235426676 पर संपर्क कर सकते हैं।

संतुष्ट ग्राहकों की ज़बानी

अजय सिंहः- मैंने 4 महीने पहले अपनी बेटी के लिए साहू मोटर्स से स्कूटी खरीदी थी। आज तक गाड़ी में कोई समस्या नहीं आई है। सर्विस और परफॉर्मेंस से संतुष्ट होकर आज मैं अपने दोस्त को भी यहाँ स्कूटी दिलाने लाया हूँ।

शीला कुमारीः-13 महीने पहले मैंने यहाँ से स्कूटी ली थी। गाड़ी बेहतरीन चल रही है और किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।÷

राजेश कुमार तिवारीः-16 महीने पहले स्कूटी खरीदी थी। यहाँ का स्टाफ और ओनर का व्यवहार बहुत सहयोगात्मक है। समय पर सर्विस मिलने के कारण ही मैंने अपने 3 दोस्तों को भी साहू मोटर्स से ई-स्कूटी दिलवाई है।

आईआईटी छात्रों को तनाव दूर करना सिखाएगा इस्कॉन

आत्म व तनाव प्रबंधन, जैसे कार्यक्रम होंगे संचालित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। छात्रों में सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए आईआईटी ने इस्कॉन के साथ करार किया। आत्म-प्रबंधन, तनाव प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास, मानसिक स्वास्थ्य जैसे कार्यक्रम संचालित होंगे। आईआईटी कानपुर के छात्रों के व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच विकसित करने और तनाव भगाने के लिए तकनीक के साथ अध्यात्म का सहारा लिया जाएगा। संस्थान ने इसके लिए इस्कॉन कानपुर के साथ एमओयू साइन किया है। यह निर्णय आईआईटी में हो रही आत्महत्याओं को रोकने और तनाव प्रबंधन के लिए हुआ है। इस्कॉन के विशेषज्ञ छात्रों में मूल्य आधारित शिक्षा, नैतिक नेतृत्व, चरित्र निर्माण और समग्र कल्याण को बढ़ावा देंगे।

पिछले कुछ वर्षों से लगातार हो रही आत्महत्याओं ने आईआईटी कानपुर प्रशासन को झकझोर कर रख दिया। संस्थान ने पहले भी छात्रों के लिए काफी प्रयत्न किए हैं। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए व्यापक इंतजाम किए। यहां नौ प्रोफेशनल काउंसलर हैं, जिनमें मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सक दोनों शामिल हैं। यह 24 घंटे उपलब्ध रहते हैं। 24 घंटे ऑनलाइन हेल्पलाइन की व्यवस्था है।

छात्रों के बीच सकारात्मकता बढ़ाने के लिए इस्कॉन का सहारा लिया जा रहा है। समझौते के तहत इस्कॉन आईआईटी कानपुर के इच्छुक छात्रों के लिए स्वैच्छिक शैक्षिक एवं वेलनेस कार्यक्रम संचालित करेगा। आत्म-प्रबंधन, तनाव प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास, आत्म-सम्मान और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर प्रमाणित पाठ्यक्रम शामिल होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक-एक घंटे के आठ सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में भागीदारी पूरी तरह स्वैच्छिक होगी।

कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों, आत्म-अनुशासन और संतुलित जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना है। एमओयू कार्यक्रम में इस्कॉन कानपुर की ओर से अध्यक्ष प्रेम हरिनाम दास और आईआईटी कानपुर की ओर से डीन ऑफ स्टूडेंट्स अफेयर्स प्रो. प्रतीक सेन ने हस्ताक्षर किए।

नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने दी जान, फुफेरे भाई पर लगा यह गंभीर आरोप

कानपुर। चकेरी में नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने बुधवार सुबह फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों का आरोप है कि फुफेरा भाई प्रेम संबंध के लिए छात्रा को परेशान कर रहा था। जिससे परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। मूलरूप से चंदौली के सकराकारी धानापुर निवासी नरेंद्र प्रताप सिंह दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करते हैं। परिवार में पत्नी नीलम देवी, बेटा अभिषेक, बेटी खुशी व 18 वर्षीय खुशबू थी। उन्होंने बताया कि बेटा अभिषेक व खुशबू तीन साल से श्यामनगर के गंगानगर में किराए पर कमरा लेकर रह रहे थे। खुशबू नीट की तैयारी कर रही थी। अभिषेक ने बताया कि गुजरात में रहने वाला उनकी बुआ का बेटा खुशबू को परेशान करता था। वह उस पर प्रेम संबंध का दबाव बना रहा था। उसका नंबर ब्लॉक करने के बाद भी वह अपने दोस्तों के नंबरों से बहन को कॉल करता था। परिजनों से शिकायत व मना करने के बाद भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। इसी तनाव में बुधवार सुबह उसने दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि शव पोस्टमार्टम भेजा है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

रक्षाबंधन पर 2.20 लाख बहनों व परिजन ने बस में किया मुफ्त सफर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । रक्षाबंधन पर कानपुर परिक्षेत्र की 2.20 लाख बहनों और उनके सहयात्री ने मुफ्त बस यात्रा सुविधा का लाभ उठाया है। पर्व के चलते झकरकटी बस अड्डे पर यात्रियों की भारी भीड़ रही और प्रमुख मार्गों की बसें यात्रियों से खचाखच भरी रहीं। प्रदेश सरकार के निर्देश पर 27 अगस्त की सुबह से 29 अगस्त की रात तक महिलाओं को रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई थी।

इसके चलते कानपुर से लखनऊ, उन्नाव, फतेहपुर, औरैया, इटावा, कन्नौज, फर्रुखाबाद और आसपास के जिलों के लिए यात्रियों

की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ गई। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार ने बताया कि रक्षाबंधन पर करीब 2.20 लाख महिलाओं और उनके सहयात्रियों ने निशुल्क बस यात्रा का लाभ लिया। यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन कराया गया और कर्मचारियों को लगातार बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे।

भ्रष्टाचार में फंसे अफसरों के परिजनों की संपत्तियां भी जांची जाएंगी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर नगर निगम में भ्रष्टाचार की जड़ें मजबूत करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की विजिलेंस जांच कराई जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है जो भी अफसर-कर्मी भ्रष्टाचार में संलिप्त मिले, उनके परिवार के सदस्यों और नाते-रिश्तेदारों की चल-अचल संपत्तियों की जांच भी कराई जाएगी। इसके लिए रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जा रही है, ताकि विजिलेंस जांच शुरू कराई जा सके।

किन लोगों के खिलाफ विजिलेंस की जांच होगी, फिलहाल इसका खुलासा पुलिस ने नहीं किया है।पांच दिन पूर्व नगर आयुक्त ने भ्रष्ट ठेकेदारों की फर्में काली सूची में डालकर उनके खिलाफ फजलगंज और स्वरूपनगर थाने में छह एफआईआर दर्ज कराई थीं। इन ठेकेदारों पर फर्जीवाड़ा कर करोड़ों की कंपनियां चलाने का आरोप है।

इसके बाद पुलिस आयुक्त के निर्देश पर एसआईटी गठित कर जांच शुरू की गई। जांच शुरू होते ही पुलिस के अफसरों-कर्मियों की शिकायतें आने लगीं। इनमें सबसे बड़ा नाम मुख्य अभियंता सैय्यद फरीद अख्तर जैदी का आया है। जैदी पर आरोप है कि उनके करीबियों के नाम पर नगर निगम में चार कंपनियों का संचालन किया जा रहा है।

रुपये लेकर की जाती है आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती

एसआईटी जैदी और उनसे जुड़ी कंपनियों की जांच कर रही है। इसके अलावा पुलिस को अब तक मिली शिकायतों में तीन लिपिकों पर भी खरीद-फरोख्त में घोटाले के आरोप लगे हैं। इनमें लिपिक रफजुल रहमान के अलावा मार्ग प्रकाश में कार्यरत कमरुद्दीन और मोहम्मद अरबिया अंसारी हैं।

इसी तरह आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती के लिए जेटीएन नाम से एजेंसी चलाने वाले राजन शुक्ला की भी जांच की जा रही है। राजन पर आरोप है कि उसके माध्यम से रुपये लेकर आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती की जाती है।

सीपी ने एसआईटी के साथ की बैठक

विजिलेंस जांच कराने के लिए शनिवार दोपहर एसआईटी के साथ पुलिस कमिश्नर ने अपने कार्यालय पर बैठक की। इसमें अभी तक हुई जांच के बारे में जानकारी की गई। कितने अधिकारी और ठेकेदार और संदेह के घेरे में हैं, इस पर भी चर्चा की गई। सूत्रों का कहना है कि माना जा रहा है कि एसआईटी की रिपोर्ट में आरोपी बनने वाले अधिकारियों के नाम ही विजिलेंस जांच के लिए भेजे जा सकते हैं। बैठक में डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव, एसआईटी प्रमुख एडीसीपी अर्चना व फजलगंज थाना प्रभारी मौजूद रहे।

दो बार नगर निगम पहुंची एसआईटी, मचा हड़कंप

शनिवार को दो बार एसआईटी टीम के नगर निगम पहुंचने से वहां हड़कंप मचा रहा। शाम को एसआईटी टीम सीधे इंजीनियर विभाग पहुंची। इससे चर्चा होने लगी कि एसआईटी ने विभाग को सील कर दिया है। हालांकि कुछ देर बाद ही एसआईटी अपने साथ विभाग के दस्तावेज लेकर लौट गई। सुबह भी एसआईटी जांच के लिए पहुंची थी।

नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए सीएम के निर्देश पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में अगला कदम विजिलेंस जांच की ओर बढ़ाया जा रहा है। कुछ और नाम सामने आए हैं। उनकी रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है। विजिलेंस जांच की अनुमति मिलते ही उनके नामों का भी खुलासा कर दिया जाएगा।

पुलिस के पास पहुंचीं तीन और शिकायतें

पुलिस के पास पहुंची पहली शिकायत में आरोप है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष विनोद कुमार को मनमाने तरीके से एक राजपत्रित अधिकारी के नाम पर बंगला आवंटित कर दिया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि संघ के अध्यक्ष नगर निगम के भ्रष्ट अफसरों, ठेकेदारों और कुछ अनधिकृत लोगों के इशारे पर काम करते हुए कर्मचारियों का गलत इस्तेमाल करते हैं। शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि आखिर किसके इशारे में कर्मचारियों के नेता को किसी अधिकारी के नाम आवंटित बंगला दे दिया गया।

धमकाने के लिए पार्षद को बनाया हथियार

पुलिस को मिली दूसरी शिकायत में बताया गया है कि पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन ने एक अनुसूचित जाति के पार्षद को अपना हथियार बना रखा है।

एसोसिएशन के कर्ता-धर्ता इस पार्षद के माध्यम से ठेकेदारों और अधिकारियों को डराने का काम करते हैं। शिकायतकर्ता के मुताबिक अनुसूचित जाति के पार्षद की ओर ठेकेदारों को टेंडर डालने के लिए रोका जाता है और न मानने पर संबंधित ठेकेदार के खिलाफ फर्जी एससी-एसटी की एफआईआर दर्ज कराने की धमकी दी जाती है। इस तरह से एसोसिएशन टेंडर प्रक्रिया में अपना खौफ बनाकर सिर्फ चहेते ठेकेदारों को ही करोड़ों का काम दिलाती है।

करोड़ों से मशीनें खरीदीं पर इस्तेमाल नहीं

पुलिस ने बताया कि नगर निगम के खिलाफ मिली तीसरी शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पिछले दो-तीन वर्षों में करोड़ों की मशीनों की खरीद की गई है, लेकिन उनका कोई इस्तेमाल नहीं हुआ है। ये मशीन कौन-कौन सी हैं और कितने में कहां-कहां से खरीदी गई हैं। इसका पता किया जा रहा है। इसी तरह लाखों रुपयों से खेलकूद का सामान भी खरीदा गया है, लेकिन वह कहां है और उसका क्या इस्तेमाल किया जा रहा है। यह भी किसी को नहीं पता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत गंभीर है। इस बारे में अधिकारियों से भी पूछताछ की जाएगी। इसके बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।